साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 237 | जौनपुर, शुक्रवार, 24 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

यूपी में बीजेपी का 80 की 80 सीटों पर हो रहा है सफाया – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की प्रतापगढ़ लोकसभा सीट से समाजवादी प्रत्याशी के समर्थन में सपा मुखिया अखिलेश यादव ने 23 मई को जनसभा करके वोट मांगा। अखिलेश ने सपा प्रत्याशी एसपी सिंह के पक्ष में जनता से वोट करने की अपील करते हुए जीआईसी ग्राउंड में जनसभा में कहा जबसे समाजवादी और कांग्रेस एक हुए हैं तब से डबल इंजन टकरा रहे हैं।

ये जीरो होने जा रहे हैं। अखिलेश अभी तक बीजेपी के बारे में भविष्यवाणी कर रहे थे कि वह सिर्फ वाराणसी लोकसभा सीट जीत रही हैं, लेकिन आज वह अपने बयान से पलट गये और उन्होंने कहा कि भाजपा का यूपी की 80 की 80 सीटों पर सफाया हो रहा है। ये दिल्ली वाले कहते हैं शहजादे–शहजादे, ये शहजादे शह भी देंगे और मात भी देंगे। इन्होंने आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन किसी की भी आय दोगुनी नहीं हुई। महंगाई बढ़ती जा रही है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा की सरकार में लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। भाजपा ने जनता को धोखा दिया है, जबरदस्ती कोरोना की वैक्सीन लगाई गई। अब इस वैक्सीन से जान को खतरा पैदा हो गया।

दिल्ली के साथ कई राज्यों में हीट वेव का अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में लगातार गर्मी का प्रकोप झेलना पड़ रहा है। उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, एनसीआर, उत्तर प्रदेश के इलाकों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। आम जनता बढ़ती गर्मी के कारण परेशान हो रही है। इसी बीच भारतीय मौसम विभाग ने इन इलाकों में हीट वेव यानी लू का अलर्ट भी जारी किया है। राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, मध्यप्रदेश, ओडिशा जैसे राज्यों में तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। बाड़मेर में इन दिनों तापमान 48 डिग्री तक पहुंच गया है। हरियाणा के सिरसा में 47.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज हुआ है। मध्य प्रदेश के रतलाम में भी लोग गर्मी से परेशान है। जबकि उत्तर प्रदेश के झांसी में भी बढ़ते तापमान ने लोगों का जीना दुश्वार कर दिया है, जहां तापमान 45 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। हिमाचल प्रदेश के ऊना में भी तापमान 43 डिग्री दर्ज हुआ है। मौसम विभाग, स्थानीय प्रशासन, स्वास्थ्य विभाग ने भी आम जनता को चेतावनी दी है, ताकि गर्मी का असर उनपर ना हो सके। मौसम विभाग ने कहा है कि दोपहर में लोग घरों से बाहर निकलने पर परहेज करें। जरुरत ना हो तो दोपहर में घर से बाहर चिलचिलाती धूप में ना निकलें। गर्मी के मौसम में शरीर से पानी काफी जल्दी खत्म होता है।

अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार टीएमसी सरकार की विशेषताएं – जेपी नड्डा

कोलकाता, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में कई वर्गों का ओबीसी दर्जा खत्म करने के कलकत्ता उच्च न्यायालय के फैसले को स्वीकार करने से इनकार करने पर बुधवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना की और कहा कि मुख्यमंत्री को संविधान का अनादर नहीं करना चाहिए। यहां पार्टी की युवा शाखा के सदस्यों की एक सभा में नड्डा ने कहा कि अल्पसंख्यकों का तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार की विशेषताएं हैं। उन्होंने कहा, "धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होना चाहिए। आरक्षण केवल आर्थिक स्थिति के आधार पर होना चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस पर काफी से जोर दिया है। ओबीसी आरक्षण की आड़ में बनर्जी ने मुस्लिम आरक्षण लागू कर दिया था। उच्च न्यायालय ने धर्म के आधार पर राज्य द्वारा जारी किए गए ओबीसी प्रमाणपत्रों को अमान्य घोषित कर दिया। नड्डा ने बनर्जी द्वारा अदालत के आदेश का पालन करने से इनकार किए जाने पर उनकी आलोचना की, संवैधानिक सिद्धांतों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता पर सवाल उठाया और उन पर मुस्लिम लीग के एजेंडे को आगे बढ़ाने का आरोप लगाया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, अब, बनर्जी कहती हैं कि वह अदालत के आदेश का पालन नहीं करेंगी। बंगाल की कैसी मुख्यमंत्री हैं, जिनकी नजर में संविधान का कोई सम्मान नहीं है। क्या वह अदालत के आदेश के खिलाफ जा सकती हैं? मेरी बात थोड़ी कड़वी लग सकती है, लेकिन मैं कहता हूं।

कांग्रेस इस बार 40 सीटें भी नहीं जीतेगी, समाजवादी पार्टी को चार भी नसीब न होंगी - मंत्री अमित शाह

सिद्धार्थनगर, संवाददाता। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लोकसभा चुनाव के शुरुआती पांच चरणों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 310 सीटें मिलने का दावा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि इस बार कांग्रेस 40 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पायेगी और समाजवादी पार्टी (सपा) को चार सीटें भी नसीब नहीं होंगी। शाह ने डुमरियागंज से मौजूदा सांसद और भाजपा उम्मीदवार जगदम्बिका पाल के समर्थन में आयोजित एक चुनावी सभा में दावा करते हुए कहा, लोकसभा चुनाव के शुरुआती पांच चरणों में मोदी जी (प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी) 310 सीटें जीत चुके हैं। इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। उन्होंने यह भी दावा किया कि कांग्रेस इस बार 40 सीटें भी पार नहीं कर पाएगी और अखिलेश जी (सपा प्रमुख अखिलेश यादव) को चार सीटें भी नसीब नहीं होंगी। शाह ने

विपक्ष के इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन पर तंज करते हुए कहा, विपक्ष घमंडिया गठबंधन बनाकर आगे बढ़ा है। मैं आज यहां से राहुल बाबा (कांग्रेस नेता राहुल गांधी) से पूछना चाहता हूं कि वैसे तो दूर–दूर तक कोई संभावना नहीं है क्योंकि मोदी जी ही प्रधानमंत्री बनने वाले हैं, मगर देश की जनता जानना चाहती है कि अगर आपको बहुमत मिलता है तो आपका प्रधानमंत्री कौन होगा? शाह ने सवालिया अंदाज में कहा कि क्या देश ऐसे चल सकता है? उन्होंने कहा, "राहुल बाबा यह परचून की दुकान नहीं है... 130 करोड़ का महान देश है। गृह मंत्री ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर का मुद्दा उठाते हुए कहा, इन लोगों की मानसिकता तो देखिए कि पाकिस्तान के पास एटम बम है तो पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर भी उसे दे देंगे। एटम बमों से देश के मसले हल नहीं होते हैं, नेता के एटम बम जैसे इरादों से होते हैं जो मोदी जी के हैं। शाह ने आरोप लगाया राहुल बाबा ने यह कहते हुए जम्मूकश्मीर से अनुच्छेद 370 नहीं हटाने की बात कही थी कि इससे पाकिस्तान में खून की नदियां बह जाएंगी। राहुल बाबा, वह आपकी दादी के जमाने में होता होगा।

वायुसेना प्रमुख ने पहली आपात चिकित्सा प्रणाली की शुरुआत की

बेगलुरु, एजेंसी। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कमान अस्पताल में भारतीय वायु सेना की पहली आपात चिकित्सा प्रणाली (ईएमआरएस) की शुरुआत की। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ईएमआरएस की शुरुआत 21 मई को की गई थी। वायु सेना के देशभर के सेवारत कर्मियों और उनके परिवारों को चिकित्सा आपात स्थिति के दौरान विशेषज्ञों की सलाह और देखभाल के लिए यह व्यवस्था शुरू की गई है। इस प्रणाली के जरिये देशभर में वायुसेना के कर्मी और उनके परिवार टेलीफोन पर चिकित्सा सलाह ले सकते हैं।

भाजपा को नहीं बदलने देंगे संविधान - राहुल गांधी

नई दिल्ली, एजेसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भगवान ने मुझे भेजा है टिप्पणी पर उन पर कटाक्ष किया और कहा कि यह अजीब है कि यह व्यक्ति जिसे भगवान ने भेजा है केवल 22 लोगों के लिए काम करता है। कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री सब कुछ मुकेश अंबानी और गौतम अडानी की इच्छा के अनुसार करते हैं और वह देश के गरीब लोगों के लिए कुछ नहीं करते हैं। राष्ट्रीय राजधानी में एक चुनावी रैली में बोलते हुए, राहुल गांधी ने कहा कि जब गरीब लोग सड़क, अस्पताल और शिक्षा की मांग करते हैं, तो नरेंद्र मोदी कुछ नहीं करते। राहुल ने कहा कि आज गरीब परिवार के लोगों को ठेकेदारी प्रथा पर लगाया जा रहा है। जिनमें अधिकतर लोग दलित, पिछड़े और आदिवासी वर्ग से आते हैं। इसलिए कांग्रेस ने गारंटी दी है– हम सरकारी नौकरी और PSUs में ठेकेदारी प्रथा बंद कर देंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने धूम–धाम से महिला आरक्षण बिल पास किया और फिर कहा कि इसे 10 साल बाद लागू करेंगे। लेकिन कांग्रेस की गारंटी

है– हम महिलाओं को लोकसभा, राज्यसभा और विधानसभा में तुरंत आरक्षण देंगे। इसके साथ ही केंद्र की सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 50: आरक्षण दिया जाएगा। जब तक महिलाओं को भागीदारी नहीं मिलेगी, ये देश प्रगति नहीं कर सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा कि आज कल खेती–किसानी से लेकर कॉर्पोरेट तक महिला और पुरुष हर क्षेत्र में काम करते हैं। लेकिन जब शाम को दोनों वापस आते हैं तो महिलाओं की घर संभालने वाली दूसरी शिफ्ट शुरू हो जाती है। यानी महिलाएं 16 घंटे काम करती हैं, लेकिन उस एक्सट्रा 8 घंटे काम करने के लिए आपको कुछ नहीं मिलता। उनका कहना था, "अग्निपथ योजना को हम कूड़ेदान में फेंकने वाले हैं क्योंकि यह सेना के खिलाफ है, देशभक्ति के खिलाफ है। एक सैनिक को शहीद का दर्जा मिलेगा, पेंशन मिलेगी, लेकिन 'अग्निवीर' को न शहीद का दर्जा मिलेगा, न ही पेंशन मिलेगी और न हीसामाजिक सुरक्षा मिलेगी। राहुल गांधी ने कहा, "इनके (भाजपा) नेताओं ने खुलकर कहा है कि संविधान को बदल देंगे...मैं भाजपा और आरएसएस के लोगों से कहना चाहता हूं कि आप सपने मत देखिए, ये आपके बस की बात नहीं है, आप ऐसा नहीं कर सकते। आपके सामने हिंदुस्तान के करोड़ों लोग खड़े हैं, कांग्रेस पार्टी खड़ी है। अगर आप लोगों ने संविधान बदलने की कोशिश की तो देखना क्या होता है।

अगर आतंकी कुछ भी हरकत करते हैं तो इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी – जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। मोदी सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ शुरुआत से ही जीरो टॉलरेंस नीति अपनाई है। उरी और पुलवामा आतंकी हमले के बाद भारतीय सेना ने पाकिस्तान और आतंकियों के खिलाफ जबरदस्त कार्रवाई की है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने नई दिल्ली में विकसित भारत/2047 विषय पर आयोजित चर्चा में हिस्सा लेते हुए आतंकी हमलों के खिलाफ भारत की कार्रवाई पर चर्चा की। एस जयशंकर ने उरी और पुलवामा आतंकी हमलों पर भारत ने स्पष्ट संदेश दे दिया है कि जो लोग इन हमलों के जिम्मेदार हैं उन्हें स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि वे अब सुरक्षित नहीं हैं, भले ही वो सीमा पार कर गए हों। पीएचडी चौंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई) द्वारा आयोजित कार्यक्रम में

हिस्सा लेते हुए विदेश मंत्री ने कांग्रेस शासन में हुए आतंकी हमले 26/11 और उरी व पुलवामा हमले की तुलना की। एस जयशंकर ने कहा कि 26/11 के समय हमारा जवाब और उरी व पुलवामा हमले के बाद हमारा जवाब देखें तो चीजें साफ हो जाएगी। आज भी सशस्त्र बल वही है, नौकरशाही भी वही है, खुफिया जानकारी भी वही है। वहीं, विदेश मंत्री ने कहा कि उरी और पुलवामा हमलों के बाद भारत की प्रतिक्रिया देखें तो भारत ने स्पष्ट और सीधा मैसेज भेजा और जिन लोगों को यह संदेश दिया गया था उम्मीद है कि उन्हें ये मैसेज मिल गया होगा। बालाकोट का जिक्र करते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि अगर आतंकी कुछ भी हरकत करते हैं तो इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी और यह मत सोचिए कि आपने कुछ किया है और उस तरफ भाग गए कि आप वहां सुरक्षित हैं। आप वहां सुरक्षित नहीं होंगे।

राजा भैया का कहीं कोई प्रभाव नहीं – ओमप्रकाश राजभर

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में छठवें चरण के लोकसभा चुनाव के बीच कुंडा के राजा और विधायक रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया अचानक काफी चर्चा में आ गये हैं। राजा–रानी राजनीति खत्म होने का नाम नहीं हो रही है। राजा भैया और अपना दल नेता अनुप्रिया पटेल के बीच वार–पलटवार के बीच अब सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने भी एंट्री कर दी है। उन्होंने राजा भैया के दबदबे वाले जिला प्रतापगढ़ में राजा भैया पर कई गंभीर सवाल खड़े किये और कहा राजा भैया का अब कहीं कोई प्रभाव नहीं रह गया है। इसी के साथ राजभर ने अनुप्रिया के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ने देश की सभी रानियों का ऑपरेशन कर दिया है। योगी सरकार में मंत्री और सुभासपा नेता राजभर ने मीडिया से बातचीत करते हुए मिर्जापुर से बीजेपी प्रत्याशी अनुप्रिया पटेल के राजा भैया को लेकर दिए गए बयान के समर्थन किया है। ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि बाबा साहेब भीमराव आम्बेडकर ने देश की सभी रानियों का ऑपरेशन कर दिया है। उन्होंने कहा कि अब राजा रानियों के पेट से नहीं बल्कि ईवीएम मशीन से पैदा होता है। राजभर यहीं नहीं रुके और आगे कहा कि मैं अनुप्रिया पटेल की बात का समर्थन करता हूं, क्योंकि सच कड़वा होता है। अनुप्रिया ने कहा था कि लोकतंत्र में राजा अब रानी की पेट से नहीं बल्कि ईवीएम मशीन से तय होता है। इसके बाद से बयान बाजी तेज हो गई है।

भ्रष्टाचार के दलदल में डूबा हुआ है पूरा लालू परिवार, बिहार के लिए है अभिशाप - उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी

बिहार, एजेंसी। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक बार फिर लालू यादव और परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरा परिवार भ्रष्टाचार के दलदल में डूबा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि लालू यादव और राबड़ी देवी के बॉडीगार्ड्स का गलत इस्तेमाल किया गया और बूथ पर बार–बार गड़बड़ी की गई। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा, लालू प्रसाद का पूरा परिवार भ्रष्टाचार के दलदल में डूबा हुआ है। बार–बार परेशान कर जनता को यह साबित कर दिया गया। हर बार लालू प्रसाद और राबड़ी देवी के अंगरक्षकों का दुरुपयोग किया जा रहा है। छपरा घटना की जांच होनी चाहिए। इससे पहले, 19 मई को उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री

लालू प्रसाद यादव पर तीखा हमला बोलते हुए उन पर अपनी पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के भीतर भाई–भतीजावाद और पारिवारिक तुष्टीकरण का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि दूसरी ओर, भाजपा जमीनी स्तर पर लोगों को जोड़ने का काम कर रही है और पार्टी में भाई–भतीजावाद के लिए कोई जगह नहीं है क्योंकि पार्टी के प्रत्येक सदस्य के साथ समान व्यवहार किया जाता है। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद का परिवार बिहार की राजनीति के लिए अभिशाप है, बिहार को लूटना, बिहार में गुंडागर्दी और भाई–भतीजावाद की पराकाष्ठा उनके धर्म में है, जनता फैसला करे। भाजपा नेता ने कहा कि राजद के पास केवल 20 से 25 प्रतिशत वोट हैं, और उन्हें लगता है कि जातिवाद को राजनीति में एकीकृत करना उनके लिए काम करेगा। भले ही वे चुनाव जीत जाएं, लेकिन लालू जी किसी को सत्ता नहीं देने वाले हैं। वह इसे केवल अपने परिवार को हस्तांतरित करेगा। जब राजद सरकार में थी तो तेजस्वी उपमुख्यमंत्री थे और जब विपक्ष में थे तो विपक्ष के नेता थे और दूसरे सदन में उनकी मां उनके साथ थीं। लालू जी कभी भी किसी बाहरी व्यक्ति को प्रमुख पद नहीं दे सकते।

वोट उसे दीजिए जो विकसित पंजाब और विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर चला हो - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यहां पंजाब में दिखावे के लिए दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी और सिख दंगे की दोषी पार्टी आमने–सामने लड़ने का नाटक कर रही है लेकिन सच्चाई यही है कि पंजा और झाड़ू पार्टियां दो हैं लेकिन दूकान एक ही है। यहां के लोग कुछ भी बयान दें लेकिन दिल्ली में एक–दूसरे को कंधे पर उठाकर नाच रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पटियाला में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, एक तरफ भाजपा और एनडीए है और दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का इंडी गठबंधन है। एक तरफ मोदी है जो लड़ाकू विमान से लेकर एयरक्राफ्ट कैरियर तक भारत में बना रहा है, दूसरी तरफ इंडी गठबंधन है जो लिखित रूप में कहता है कि हमारे परमाणु

हथियारों तक को समाप्त कर देना चाहिए। बांग्लादेश की लड़ाई हुई, 90 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक सरेंडर कर चुके थे, 90 हजार से ज्यादा सैनिक हमारे कब्जे में थे। मैं विश्वास से कहता हूं अगर उस समय मोदी होता, तो उनसे करतारपुर साहिब लेकर रहता, तब उन जवानों को छोड़ता। वो तो नहीं कर पाए, लेकिन मुझसे जितनी सेवा हो सकी मैंने की। आज करतारपुर साहिब आपके सामने है। हमारी सरकार ने लंगर को टैक्स से मुक्त किया। पहले श्री हरमंदिर साहब में विदेशों से भक्त चंदा नहीं दे पाते थे। हमने इसके लिए नियमों में छूट दी। श्री फतेहगढ़ साहिब तो साहिबजादे के शौर्य और शहादत का साक्षी रहा है। ये मोदी सरकार है, जिसने साहिबजादों के शौर्य के लिए समर्पित वीर बाल दिवस घोषित किया। अफगानिस्तान में हमारे सिख परिवार संकट में थे। हम सभी को सुरक्षित वापस लाए। हमारे नेता अफगानिस्तान से श्री गुरु ग्रंथ साहिब को सिर पर उठा कर लाए। मेरा तो आपसे खून का नाता है।

देश को महंगाई कम करने और रोजगार देने वाला प्रधानमंत्री चाहिए – केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि महंगाई कम करने और रोजगार देने वाला प्रधानमंत्री चाहिए जो हमारी समस्याओं का समाधान करे, देश को तरक्की के रास्ते पर लेकर जाए। श्री केजरीवाल ने बुधवार को नई दिल्ली लोकसभा से इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी सोमनाथ भारती के समर्थन में पांच नुक्कड़ सभाएं की। इस दौरान कहा कि देश को महंगाई कम करने और रोजगार देने वाला प्रधानमंत्री चाहिए। हमें ऐसा प्रधानमंत्री चाहिए जो हमारी समस्याओं का समाधान करे, हमारे

देश को तरक्की के रास्ते पर लेकर जाए।इसलिए पूरे देश के लोगों में भारी गुस्सा है।

चार जून को अच्छे दिन आने वाले हैं और श्री मोदी जाने वाले हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता इस समय महंगाई से त्रस्त है। हमें ऐसा प्रधानमंत्री चाहिए जो पेट्रोल, डीजल के दाम कम करने के बारे में सोचे, लोगों के गैस के दाम कम करने के बार में सोचे। दूध, सब्जियां, दाल सस्ता करे।

संपादकीय

संयुक्त राष्ट्र से संबंध

संयुक्त राष्ट्र से जुड़ी संस्था ने लगातार दूसरे वर्ष एनएचआरसी–भारत की मान्यता को स्थगित कर दियाष। इसके नीचे पंक्ति थी यह निर्णय अब मानवाधिकार परिषद और कुछ यूएनजीए निकायों में मतदान करने की भारत की क्षमता को प्रभावित कर सकता है। एनएचआरसी का मतलब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग है और यह कॉलम इस बारे में है कि इसकी मान्यता क्यों स्थगित की गई थी। पिछले साल, 9 मार्च, 2023 को, गैर–सरकारी संगठनों (मेरे सहित) के एक समूह ने संयुक्त राष्ट्र से जुड़े निकाय, ग्लोबल अलायंस ऑफ नेशनल ह्यूमन राइट्स इंस्टीट्यूशंस को लिखा था। हमने उससे भारत की मान्यता स्थिति की समीक्षा करने के लिए कहा क्योंकि एनएचआरसी की स्वतंत्रता, बहुलवाद, विविधता और जवाबदेही की कमी राष्ट्रीय संस्थानों पर संयुक्त राष्ट्र के सिद्धांतों (जिसे पेरिस सिद्धांत कहा जाता है) के विपरीत थी। हमारे पत्र और अन्य नागरिक समाज प्रस्तुतियों का संज्ञान लेते हुए, वैश्विक निकाय ने भारत में बढ़ते मानवाधिकार उल्लंघनों का जवाब देने के लिए अपने जनादेश को प्रभावी ढंग से पूरा करने में विफलता पर विचार करने के बाद एनएचआरसी की पुनरू मान्यता को 12 महीने के लिए टाल दिया। एनएचआरसी को अपनी प्रक्रियाओं और कार्यों में सुधार करने के लिए भी कहा गया था, लेकिन एक साल बाद भी ऐसा नहीं हुआ। यही कारण है कि मान्यता को दूसरी बार स्थगित करना पड़ा। तो, वे कौन सी चीजें थीं जो ष्पेरिस सिद्धांतोंष के विपरीत थीं? सबसे पहले स्वतंत्रता की कमी थी. एनएचआरसी के पदाधिकारियों की नियुक्ति और इसके कामकाज दोनों में। एनएचआरसी के अध्यक्ष और अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा प्रधानमंत्री, लोकसभा अध्यक्ष, गृह मंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेताओं की एक समिति की सिफारिश के आधार पर की जाती है। राज्य सभा, और राज्य सभा के उपाध्यक्ष। हालाँकि, 2019 के बाद से, लोकसभा में विपक्ष के नेता का पद खाली हो गया है, जिससे चयन समिति में केवल एक ही विपक्षी आवाज बची है। सुप्रीम कोर्ट से सेवानिवृत्त होने के बाद, चयन समिति में एकमात्र विपक्षी आवाज की कड़ी असहमति के बावजूद, न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा को 31 मई, 2021 को एनएचआरसी का अध्यक्ष बनाया गया था। दूसरी समस्या यह थी कि एनएचआरसी के पास पुलिस अधिकारियों सहित राज्य द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन की जांच करने वाले पुलिस अधिकारी हैं। यह हितों का टकराव है, सरकारी हस्तक्षेप से आजादी नहीं। 2023 की समीक्षा में यह बताए जाने के बावजूद, नरेंद्र मोदी सरकार ने इसे ठीक करने या इसे शुरू करने के लिए परामर्श आमंत्रित करने के लिए कोई विधायी प्रक्रिया शुरू नहीं की। नवंबर 2023 में, सात पूर्व आईपीएस अधिकारियों को एनएचआरसी द्वारा विशेष मॉनिटर के रूप में नियुक्त किया गया था। उनमें से एक, जिस पर 2018 में भारत की संघीय जांच एजेंसी, सीबीआई के विशेष निदेशक के रूप में काम करते हुए भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था, को आतंकवाद, आतंकवाद विरोधी, सांप्रदायिक दंगों और हिंसा के विषयगत क्षेत्रों की निगरानी करने की जिम्मेदारी दी गई थी। इंटेलिजेंस ब्यूरो के एक पूर्व निदेशक को आयोग का सदस्य बनाया गया था। भारत को बार–बार एनएचआरसी में विविधता की कमी के बारे में चिंताओं के बारे में बताया गया है, और विविध भारतीय समाज के प्रतिनिधित्व को सुनिश्चित करके ष्अपनी संरचना और कर्मचारियों में बहुलवादी संतुलनष रखने के लिए कहा गया है, जिसमें धार्मिक या जातीय अल्पसंख्यक शामिल हैं, लेकिन यह इन्हीं तक सीमित नहीं है। निःसंदेह इस देश में ऐसा नहीं किया गया, जहां प्रधानमंत्री अपने चुनावी भाषणों सहित लगातार अल्पसंख्यकों के खिलाफ बयानबाजी करते रहते हैं। फिर भी एक और मुद्दा भारत में नागरिक समाज और मानवाधिकार रक्षकों के साथ एनएचआरसी की प्रभावी भागीदारी की कमी थी। इस दिशा में, एनएचआरसी को ष्मानवाधिकारों की प्रगतिशील परिभाषा को बढ़ावा देने के लिए व्यापक और उद्देश्यपूर्ण तरीके सेष अपने जनादेश की व्याख्या करने के लिए कहा गया था, और सभी मानवाधिकार उल्लंघनों को संबोधित करने और राज्य अधिकारियों के साथ लगातार अनुवर्ती कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था। यह उन लोगों को आश्चर्यचकित कर सकता है जिन्होंने इस मामले को इस सरकार द्वारा तैयार किया है, जहां इसकी हिंसा का विरोध करने वाले सभी लोग ष्राष्ट्र–विरोधीष हैं। हालाँकि, बाकी दुनिया इसे इस तरह नहीं देखती है, और उचित लोकतंत्रों को नागरिक समाज के साथ जुड़ना चाहिए। भारत में, मानवाधिकार रक्षकों को यूएपीए सहित विभिन्न कठोर कानूनों के तहत बिना मुकदमे के वर्षों तक हिरासत में रखा जाता है, लेकिन एनएचआरसी को कोई शिकायत नहीं होती है। इसमें भीमा कोरेगांव–एल्गार परिषद मामले के सिलसिले में पांच साल से अधिक समय से हिरासत में लिए गए लोग शामिल हैंय कश्मीरी मानवाधिकार रक्षक खुर्रम परवेज, जो नवंबर 2021 से हिरासत में हैंय और उमर खालिद. संयुक्त राष्ट्र के विभिन्न विशेष प्रतिवेदकों द्वारा भारतीय अधिकारियों से इन व्यक्तियों को रिहा करने का आह्वान करने के बावजूद एनएचआरसी ने एचआरडी की स्थिति पर प्रतिक्रिया देने या समय पर हस्तक्षेप करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया है। एनएचआरसी मणिपुर, जम्मू–कश्मीर, हरियाणा और उत्तराखंड में सांप्रदायिक हिंसा और सुर्खियाँ बने अन्य मुद्दों पर बिल्कुल बेकार रहा है। इसने खुद को महिमा में नहीं छिपाया है और यह और सरकार अब जिस दुविधा में हैं, वह उनकी खुद की बनाई हुई है। भारत के पास वर्तमान में ए रेटिंग है।

भारी उम्मीदों के बीच मतदाता अनुमान लगाते रहते

विनोद

भारत जिस फ्यूगू राज्य में खुद को पाता है वह तेजी से अपने अंत की ओर बढ़ रहा है, सात चरण के चुनाव के पांच चरण समाप्त हो चुके हैं और परिणाम अब से दो सप्ताह बाद 4 जून को सामने आने हैं। आबादी के एक हिस्से का मानना है कि राज्य व्यवस्था नए सिरे से बनाया जाए जबकि दूसरा हिस्सा भी उतना ही दृढ़ता से मानता है कि कोई बदलाव नहीं होगा। इस राजनीतिक लड़ाई में प्रतियोगियों के अंतहीन रचनात्मक प्रयासों ने 2024 के लोकसभा चुनावों में नई ऊंचाइयों को छुआ है, जिसका नेतृत्व भाजपा के एकमात्र स्टार प्रचारक, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है। उसकी रचनात्मकता के साथ समस्या यह है कि वह एक ही पहिये का बार–बार आविष्कार करता रहता है दुख की बात है कि प्रत्येक नया दोहराव पिछले वाले की तुलना में बदसूरत है। कांग्रेस, उनके हमले के विशेष रूप से चयनित लक्ष्य के रूप में, कुछ चीजों को अलग ढंग से कहने में बेहतर है, जैसे विविधता में एकता–धर्मनिरपेक्षता के विचार को नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान के रूप में संशोधित करना, जो कि कम फँसी नारे में बदल गया – भारत जोडो – लेकिन इसकी फॉलबैक स्थिति एक 25–सूत्रीय कार्यक्रम है जो समस्याओं और समाधानों को सूचीबद्ध करती है जिसे भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन द्वारा भाजपा को हराने के बाद लागू किया जाएगा। न तो श्री मोदी, न ही राहुल गांधी और इंडिया ब्लॉक के दलों के नेताओं ने वह बात कही है जिसने एक बेहद लंबे चुनाव में अंतहीन दोहराव वाले स्टंप भाषणों के साथ संतृप्ति के करीब एक राष्ट्र की कल्पना को पकड़ लिया। किसी

भी पार्टी ने 1971 के चुनाव में इंदिरा गांधी के नारे ष्गरीबी हटाओष के समान संक्षिप्त और प्रभावशाली बात नहीं कही है। इसकी तुलना में, श्री मोदी और भाजपा का 2014 का नारा, सबका साथ, सबका विकास, लगभग बेकार थाय इसमें विस्तार तो बहुत हो गया लेकिन यह काफी अहानिकर लग रहा था। 2019 तक, श्री मोदी के नारे ने दो अतिरिक्त और बल्कि भयावह वाक्यांश प्राप्त कर लिए, जिससे पता चला कि पहले पांच वर्षों में देश को किस दिशा में ले जाया गया था और उन्होंने ष्सबका विश्वासष अर्जित करके उसी रास्ते पर और तेजी से आगे बढ़ने का वादा किया था। सबका विश्वास) और "सबका प्रयास" (सबका प्रयास)। भारत के भविष्य के लिए श्री मोदी की योजनाओं के मूल में जो भी व्यक्ति था, उसका मतलब कभी भी प्रत्येक नागरिक नहीं थाय उनका ध्यान हिंदू बहुसंख्यकों की पहचान करने में अटूट रहा है, जिसे वह और संघ परिवार हमेशा गलती से, उत्साही हिंदुत्व प्रशंसक मानते हैं। विवादास्पद नागरिकता संशोधन अधिनियम जो विशेष रूप से मुसलमानों को उन पहचानों में से एक के रूप में बाहर करता है जो भारतीयों के रूप में स्वीकृति के लिए आवेदन कर सकते हैं, भारत को भारत में पुनर्निर्माण करने में मोदी सरकार की सीमाओं की पुष्टि करते हैं, उपयोग में बदलाव का वास्तविकता में जो भी मतलब हो सकता है। इसे भारत कहें या भारत, वास्तविकता नहीं बदलेगी कि 73 वर्षों के बाद और 10 वर्षों के अविश्वसनीय प्रयास के बावजूद 80 करोड़ भारतीयों को जीवनयापन के लिए पांच किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न की आवश्यकता है। 2024 के लोकसभा चुनाव के शुरुआती चरण में श्री मोदी द्वारा वादा किया गया एक पूर्ण विकसित देश, जो दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हो गया था, ष्विकसित भारतष की दृष्टि को आजमाए हुए और परीक्षण किए गए फार्मूलेबद्ध विषैले अभियान के पक्ष में खारिज कर दिया गया था। कांग्रेस और क्षेत्रीय और छोटी पार्टियों के खिलाफ, जो भारत को एक बहु–धार्मिक बहु–सांस्कृतिक सभ्यता के रूप में पुनर्स्थापित करने के लिए लगातार अभियान चला रहे हैं जो गरीब समर्थक है, हालांकि अमीर विरोधी नहीं है। जीवन–यापन के संकट को कम करने, बेरोजगारी से निपटने और विभाजनकारी बहुसंख्यकवाद द्वारा विकसित विकसित भारत के अस्पष्ट लक्ष्य को हराकर सामाजिक स्थिरता बहाल करने के कांग्रेस के दृष्टिकोण की रचनात्मक व्याख्याओं की बौछार की गई, जिसे भारतीय गुट के साझेदारों ने साझा किया था। भाजपा, मतदाता के पास उदास महसूस करने का हर कारण है। ऐसा ही लग रहा था जब चुनाव आयोग ने आंकड़े जारी किए कि अप्रैल में पहले दो चरणों में कितने प्रतिशत मतदाताओं ने मतदान केंद्र पर जाने की जहमत उठाई थी। फिर मतदाता मतदान में संशोधन आया जिससे चुनाव में भाग लेने वाले लोगों की संख्या बढ़ती रही। इसके बाद एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक राइट्स द्वारा सुप्रीम कोर्ट में एक चुनौती दायर की गई कि संख्या में धीमी गति से कमी के साथ कुछ गड़बड़ है। यह देखते हुए कि लगभग 78 प्रतिशत भारतीय स्मार्टफोन का उपयोग करते हैं और मैसेजिंग ऐप सहित सोशल मीडिया के उत्साही उपभोक्ता हैं, यहां तक कि अभियान सामग्री में सबसे छोटा बदलाव भी तुरंत लाखों मतदाताओं को सूचित किया जाता है। ौपीं डनामतरमम हालाँकि, दैनिक आधार पर उपभोग की जाने वाली इतनी तेजी से बदलती जानकारी के बावजूद मतदाताओं की भूख अतृप्त प्रतीत होती है, जिससे ऐसी मांग पैदा होती है जिसे राजनेताओं को पूरा करना होगा। इस जरूरत को पूरा करने के लिए, यह पूरी तरह से अनुमान लगाया गया था कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा हिंदुत्व के एजेंडे को सख्ती से बढ़ावा देने के लिए वापस आ जाएगी, जो कि दूसरे पक्ष ने वास्तविकता में नहीं कहा था। महिलाओं के सोने के भंडार और पवित्र मंगलसूत्र पर स्पिन, विरासत कर, अयोध्या में नव–पवित्र राम मंदिर पर तथाकथित ष्बाबरी तालाष लगाना, संरचना को बुलडोजर से गिराना, अनुसूचित जाति और जनजाति और ओबीसी से आरक्षण के लाभ में कटौती इन लाभों को मुसलमानों को हस्तांतरित करना, गोहत्या पर प्रतिबंध लगाना, यहां तक कि पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर की मुक्ति भी, अधिकाधिक उसी भावना का हिस्सा थी। श्री मोदी और उनके नफरत प्रचारकों की टीम ने पिछले 10 वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया है। भारतीय मतदाताओं के लिए पूरी निष्पक्षता से कहें तो, यही संदेश वे भाजपा से तब से सुन रहे हैं जब से वह 1984 में अस्तित्व में आई और राम मंदिर अभियान शुरू हुआ। श्री मोदी और उनकी पार्टी ने जो शोर मचाया, वह विपक्ष को कुचलने के लिए पर्याप्त होना चाहिए था, जिससे 2024 का लोकसभा चुनाव कोई आश्चर्य की बात नहीं थी। अजीब बात है कि ऐसा नहीं हुआ है. शुरुआत के लिए, कांग्रेस आलू, गैस सिलेंडर और स्वास्थ्य देखभाल की कीमतों से निपटने के लिए भारत को वापस पटरी पर लाने के अपने ष्संकल्पष से विचलित नहीं हुई है। ऐसा लगता है कि भ्रष्टाचार के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने के कारण गिरफ्तारियों, कारावासों और कटुता से परेशान क्षेत्रीय और छोटी पार्टियाँ इस हद तक बची हुई हैं कि मोदी अभियान केंद्रीय विषय से भटकता जा रहा है क्योंकि उन्हें चुनौती से निपटने के लिए उपमार्गों पर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। राज्य के सत्तारूढ़ दलों का एक समूह भाजपा को इन राज्यों में अधिकतम सीटें जीतने से रोकने के लिए प्रतिबद्ध है। विपक्ष एक नेतृत्वहीन इकाई होने के बजाय एक मूर्ख इकाई में बदल गया है। कौन सा पक्ष जीत रहा है और कौन सा पक्ष हार रहा है, इसके विश्वसनीय और अविश्वसनीय अनुमानों की बाढ़ लगातार बढ़ती जा रही है, बावजूद इसके कि श्री मोदी कथा पर नियंत्रण बनाए रखने के अथक प्रचारक हैं। चूंकि जीत की उच्च उम्मीदें दोनों पक्षों को उत्साहित करती हैं, इसलिए यह स्पष्ट है कि कोई भी पक्ष हारने के लिए तैयार नहीं है। बड़ी उम्मीदों की इस प्रतियोगिता में अज्ञात मात्रा रहस्यमय मतदाता की है, जिसकी प्राथमिकता और क्यों कोई नहीं जानता।

जैव विविधता पर मंडराता संकट चिंताजनक

आदित्य

वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की एक रिपोर्ट के अनुसार, बीते पांच दशकों में भारती की 68 प्रतिशत जैव विविधता नष्ट हो गयी है. इस दौरान हर दस में से सात जैव प्रजातियां खत्म हो चुकी हैं. सबसे ज्यादा हानि मीठे पानी के प्रजातियों को हुई है, जिनकी जनसंख्या में 84 प्रतिशत की भारी कमी आयी है. रिपोर्ट के अनुसार, यदि जैव विविधता के संरक्षण हेतु ईमानदारी से प्रयास किये गये, तो भी 2050 से पहले इसमें सुधार की कोई संभावना दिखाई नहीं देती. डब्ल्यूडब्ल्यूएफ की भारत इकाई ने कहा है कि भारत में 12 प्रतिशत जंगली स्तनधारी जंतु और चिड़ियों की तीन प्रतिशत प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर हैं, जबकि 19 प्रतिशत उभयचर गंभीर खतरे में हैं. अध्ययन में बताया गया है कि बीते चार दशकों में भारत की नम भूमि (वेटलैंड) का एक–तिहाई हिस्सा गायब हो चुका है. जैव विविधता पर मंडराता यह खतरा हमारे पर्यावरण के लिए नित नयी समस्या उत्पन्न कर रहा है. स्वार्थपूर्ति के चलते मनुष्य द्वारा किये गये प्राकृतिक दोहन के परिणामस्वरूप बीते चालीस वर्षों में पशु–पक्षियों की संख्या घटकर एक तिहाई रह गयी. इस दौरान पेड़–पौधों की विभिन्न प्रजातियां भी आश्चर्यजनक रूप से कम हुईं. पेड़–पौधों की अनेक प्रजातियां तो विलुप्त होने के कगार पर हैं. वास्तव में समृद्ध जैव विविधता हमारे पर्यावरण को पोषकता तो प्रदान करती ही है, हमारे जीवन पर भी सकारात्मक प्रभाव डालती है. विडंबना यह है कि जैव विविधता के संकट को देखते हुए भी हम अपनी जीवनशैली को बदलने के लिए तैयार नहीं हैं. कुछ समय पहले संयुक्त राष्ट्र द्वारा जारी एक रिपार्ट में कहा गया था कि मानवता उसी प्राकृतिक दुनिया को तेजी से नष्ट कर रही है, जिस पर उसकी समृद्धि और अस्तित्व टिका है. वनों, महासागरों, भूमि और वायु के दशकों से हो रहे दोहन और उन्हें जहरीला बनाये जाने के कारण हुए बदलावों ने दुनिया को खतरे में डाल दिया है. विशेषज्ञों के अनुसार, जानवरों और पौधों की 10 लाख प्रजातियां विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गयी हैं. ये प्रजातियां बीते एक करोड़ वर्ष की तुलना में हजारों गुणा तेजी से विलुप्त हो रही हैं. जिस तेजी से ये प्रजातियां विलुप्त हो रही हैं, उसे देखते हुए डायनोसोर के विलुप्त होने के बाद से पृथ्वी पर पहली बार इतनी बड़ी संख्या में प्रजातियों के विलुप्त होने का खतरा है. रिपोर्ट में इस मुद्दे पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा गया था कि हम अर्थव्यवस्था, आजीविका, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य व जीवन की गुणवत्ता के मूल को ही नष्ट कर रहे हैं. अध्ययन में इस पर भी विचार–विमर्श किया गया था कि किस प्रकार हमारी प्रजातियों की बढ़ती पहुंच और भूख ने सभ्यता को बनाये रखने वाले संसाधनों के प्राकृतिक नवीनीकरण को संकट में डाल दिया है. संयुक्त राष्ट्र के जैव विविधता व पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं के विशेषज्ञ जोसेफ सेटल के अनुसार, लघुकाल में मनुष्यों पर खतरा नहीं है, परंतु दीर्घकाल में यह कहना मुश्किल है. यदि मनुष्य विलुप्त होते हैं तो प्रकृति अपना रास्ता खोज लेगी, क्योंकि वह हमेशा ऐसा कर लेती है. प्रकृति को बचाने के लिए बड़े बदलावों की जरूरत है. हमें हर सामग्री के उत्पादन, पैदावार और उसके उपभोग के तरीके में आमूलचूल बदलाव करना होगा.

दरअसल पशु–पक्षी अपने प्राकृतिक आवास में ही अपने आपको सुरक्षित महसूस करते हैं. प्राकृतिक आवास में ही इनकी जैविक क्रियाओं के बीच एक संतुलन बना रहता है. यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस दौर में विभिन्न कारणों से पक्षियों का प्राकृतिक आवास उजड़ता जा रहा है. बढ़ते शहरीकरण और औद्योगीकरण के कारण वृक्ष लगातार कम होते जा रहे हैं. बाग–बगीचे उजाड़कर इन जगहों पर खेती–बाड़ी की जा रही है. जलीय पक्षियों का प्राकृतिक आवास भी सुरक्षित नहीं बचा है. इन्हीं सब कारणों से किसी एक निश्चित जगह पर स्थापित होने के लिए पक्षियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ती जा रही है. एक ओर पक्षी मानवीय लोभ की भेंट चढ़ रहे हैं, तो दूसरी ओर जलवायु परिवर्तन के कारण इनकी संख्या लगातार घटती जा रही है. पक्षी विभिन्न रसायनों एवं जहरीले पदार्थों के प्रति अति संवेदनशील होते हैं. ऐसे पदार्थ भोजन या फिर पक्षियों की त्वचा के माध्यम से अंदर पहुंचकर उनकी मौत का कारण बनते हैं. डीडीटी, विभिन्न कीटनाशक और खरपतवार खत्म करने वाले रसायन पक्षियों के लिए खतरनाक सिद्ध हो रहे हैं. मोर जैसे पक्षी कीटनाशकों के चलते काल के गाल में समा रहे हैं।

चुनाव का मौसम खोबरागड़े गाथा को करता है पुनर्जीवित

ललित

चुनावी मौसम एक ऐसा समय होता है जब हर मुद्दा, चाहे वह कितना भी लंबे समय से दबा हुआ क्यों न हो, अचानक सार्वजनिक जांच के लिए सामने आ जाता है। मंच पर दाईं ओर प्रवेश करें, खोबरागड़े गाथा। जब आपने सोचा था कि यह एपिसोड चुपचाप समाप्त हो गया है, तो यह वापस आ गया है, अब देवयानी खोबरागड़े की कंबोडिया में भारतीय राजदूत के रूप में हाल ही में पदोन्नति के कारण एक शानदार प्रदर्शन के साथ। यह पदोन्नति, जिसे भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) के लोग, जिनमें अनुभवी बाबू भी शामिल हैं, योग्य नहीं मानते हैं, इसे गलती को सही करने के रूप में देखा जाता है। उनके लिए 1999 बैच की आईएफएस अधिकारी सुश्री खोबरागड़े 2013 में एक राजनयिक नाटक की अनिच्छुक स्टार बन गईं – जिसने भारत–अमेरिका संबंधों को बेहद निचले स्तर पर ला दिया। अमेरिका में अपनी घरेलू नौकरानी को कम वेतन देने के आरोप के कारण उनकी गिरफ्तारी हुई और मीडिया में हंगामा मच गया। उसने बेईमानी की, अमेरिकी अदालतों ने राजनयिक छूट के कारण अंततः सहमति में सिर हिलाया, और भारत ने नौकरशाही बहादुरी का एक दुर्लभ प्रदर्शन करते हुए उसे वापस घर भेज दिया, जिससे अमेरिकियों को राजनयिक हैंगओवर का सामना करना पड़ा। भारत मानवाधिकार निकाय में खो सकता है वोट अब जब हम आम चुनाव के दौर में हैं, सुश्री खोबरागड़े का नाम फिर से सामने आया है। इस बार, यह देश के नए साल के जश्न के लिए पारंपरिक कंबोडियाई पोशाक में एक शानदार फोटोशूट के सिलसिले में है, एक ऐसा दृश्य जिसने सोशल मीडिया को दिवाली की आतिशबाजी की तरह रोशन कर दिया। अनुभवी राजनयिक उनकी कंबोडियाई पोस्टिंग को उसी उत्साह के साथ ले रहे हैं, जिस तरह की आप एक कप गुनगुनी चाय के लिए उम्मीद करते हैं – इसे जीत से ज्यादा एक प्रतीकात्मक संकेत के रूप में स्वीकार कर रहे हैं। लेकिन किसी विवादास्पद अतीत से एक या दो आश्चर्य पैदा करने वाले आम चुनाव से बेहतर कुछ नहीं है। विदेश मंत्रालय विदेश में संदिग्ध भूमि सौदों की जांच कर रहा है राजनयिक जगत से अन्य समाचारों में, विदेश मंत्रालय विदेश में भारतीय मिशनों द्वारा कुछ संदिग्ध रियल एस्टेट सौदों की जांच में लगा हुआ है। विदेश मंत्रालय ने इन मिशनों को, जो किराए की जगहों से संचालित हो रहे थे, जमीन खरीदने और दूतावास बनाने के लिए कहा था। इनमें से कुछ मिशन खरीदारी की होड़ में चले गए और जमीन के लिए बाजार मूल्य से दोगुना या तिगुना भुगतान करना पड़ा। यह सब छिपा रहता अगर इनमें से किसी एक देश की यात्रा के दौरान नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की एक टीम ने लाल झंडा नहीं लहराया होता। सीएजी ने मानदंडों के घोर उल्लंघन का पता लगाया और पुष्टि की कि भुगतान की गई कीमतें बाजार दरों से कहीं अधिक थीं। अब जबकि इसे छुपाया नहीं जा सकता, विदेश मंत्रालय संदिग्ध भूमि सौदों की जांच करने के लिए मजबूर है। लेकिन यह कोई अकेली घटना नहीं है।

बाधाओं के बावजूद कई वजहों से भारत में ईवी का भविष्य बेहतर

संजय

पिछले कुछ वर्षों से भारत में कार खरीदारी में बदलाव आ रहा है और लोग पेट्रोल–डीजल के प्रभुत्व वाले बाजार से इलेक्ट्रिक वाहनों के नए ब्रांड की तरफ रुख कर रहे हैं। पिछले साल 15 लाख इलेक्ट्रिक कारें बेची गईं। समकालीन उपभोक्ताओं की चाहत और जलवायु परिवर्तन को लेकर नए उत्साह के साथ भारत का खुदरा कार बाजार इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को खरीदने और उसे प्रोत्साहित करने के नए चलन को अपना रहा है। लेकिन यह प्रवृत्ति उभरी कैसे और अचानक क्यों जोर पकड़ रही है– यह जानने के लिए भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों की क्रांति पर गहराई ने नजर डालने की जरूरत है। इसके दो कारण हैं। पहला, ग्लोबल वार्मिंग को लेकर वास्तविक जागरूकता, जो वैसे समृद्ध उपभोक्ताओं को आकर्षित करता है, जो पर्यावरण हितैषी वाहन खरीदने पर ज्यादा पैसा खर्च करने को तैयार हैं। हालांकि पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों और बजट के प्रति जागरूक मध्यम वर्ग भी ईवी क्रांति

का लाभ उठा रहा है। टाटा जैसी कार कंपनियों ने ऐसे उपभोक्ताओं की जरूरत को समझा है और इसे पूरा करने के लिए कम लागत वाली टियागो लॉन्च की है। वे ईवी के प्रति बढ़ती दिलचस्पी को लेकर आशान्वित भी हैं। उन्होंने गुरुग्राम में सिर्फ इलेक्ट्रिक वाहन का शोरूम खोला है और ईसीई वाहन और इलेक्ट्रिक वाहन के सेल्स (विक्रय विभाग) को अलग कर दिया है। मैं पिछले महीने से किफायती ईवी की तलाश कर रही हूं। उनकी संख्या कम है। यदि आपके पास खर्च करने के लिए ज्यादा रुपये हैं, तो कई विकल्प हैं, लेकिन यदि आप अपना बजट 10 लाख रुपये तक ही रखना चाहते हैं, तो विकल्प सीमित हो जाएंगे। और यह कमी इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के बजाय हतोत्साहित करेगी। सरकार ने सभी तरह के इलेक्ट्रिक वाहनों पर सब्सिडी दी है। मेरे मित्र राजीव तुली ई–रिक्शा के व्यवसाय में हैं और इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। भले ही सुनने में अटपटा लगे, लेकिन जलवायु परिवर्तन और गैस की कीमतों में बढ़ोतरी के दौर में ई–वाहन एक अनिवार्यता है। निर्माताओं को किफायती मूल्य में इस मांग को पूरी करने पर ध्यान देने की जरूरत है। एक अन्य मुद्दा, पेट्रोल पंप की तुलना में चार्जिंग स्टेशन की कमी है। चार्जिंग स्टेशन के विकास पर जोर दिए बिना ई–वाहन भारतीय मोटर चालकों के लिए सपना ही रहेगा। यहां तक कि मुझ जैसे लोगों के लिए भी, जो ईवी को अपनाना चाहते हैं। शुरुआत में एक अकेली महिला चालक के लिए बैटरी चार्जर के बिना ई–वाहन खरीदकर फंसे रहना दुस्वप्न जैसा है।ष्इन चुनौतियों के बावजूद, मैकिंजे एंड कंपनी के अध्ययन से पता चलता है कि लोग नई कार खरीदते समय पर्यावरण की सततता पर विचार करते हैं, जो सकारात्मक है। इसके अलावा, सरकार के वाहन प्रदूषण नियंत्रण के नियम लोगों को हरित विकल्प अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। ईवी, जो अपने शून्य–उत्सर्जन और नवीकरणीय अनुकूलता के लिए जाने जाते हैं, इस मानदंड पर खरे उतरते हैं। ईवी का रखरखाव सामान्यतः पारंपरिक वाहनों की तुलना में बहुत कम है, जो ग्राहकों के खर्च में कमी लाकर पसंदीदा विकल्प बन जाता है। ईवी पहले से ही अर्ध–स्वचालित है और निकट भविष्य में यह पूरी तरह स्वचालित होने वाला है। भारत में तेजी से इलेक्ट्रिक और हाईब्रिड वाहनों को अपनाने और विनिर्माण (फेम) ने ईवी अपनाने की प्रवृत्ति में इजाफा किया है। प्रोत्साहन आधारित सब्सिडी योजना ईवी अपनाने और उनके बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करती है। इस योजना का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश में परिवहन सुविधाओं को 30 फीसदी तक इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलना है। यह वित्तीय प्रोत्साहन निर्माताओं और खरीदारों, दोनों की मदद करता है। फेम के दूसरे चरण में सरकार का लक्ष्य देश भर में 2,700 चार्जिंग स्टेशन स्थापित करना है। हालांकि, अब भी बहुत से भारतीय कार खरीदते वक्त इलेक्ट्रिक कार के प्रति संदेह में रहते हैं। सबसे बड़ी कमी बुनियादी ढांचे की है। हालांकि फेम इस अंतर को पाटने का वादा करता है। किंतु भारतीय ऐसी चीजों में निवेश से हिचकते हैं, जो जल्दी उपलब्ध हो भी सकती है और नहीं भी। जब तक बुनियादी ढांचा विकसित नहीं हो जाता, पारंपरिक वाहनों की तुलना में ईवी को चुनने की संभावना कम है। इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग के फलने–फूलने और बनाए रखने के लिए मजबूत सहयोगी तंत्र जरूरी है। यद्यपि कर छूट, प्रोत्साहन और पर्याप्त जागरूकता है, पर सबसे बड़ी बाधा उस आबादी को समझाना है, जो यथास्थिति बनाए रखने को प्राथमिकता देती है। जलवायु कार्रवाई को लेकर जागरूकता बढ़ी है, फिर भी यह कहना मुश्किल है कि देश के लोग स्थिति की गंभीरता को समझते हैं और तत्काल कार्रवाई के लिए तैयार हैं। अब बड़े पैमाने पर ई–वाहन विज्ञापनदाता भी मानते हैं कि कार चलाने वाली आबादी कुछ हद तक जलवायु कार्यकर्ता हैं, यदि नहीं भी हैं, तो वे इस दिशा की ओर अग्रसर हैं। इसलिए उनके विज्ञापनों का असर काफी कम है, जहां समाज का नवप्रवर्तक व उत्साही वर्ग (समृद्ध लोग) ईवी की ओर बढ़ रहा है। लेकिन इन आंकड़ों से क्रांति नहीं आने वाली। जल्द ही जब ये नवप्रवर्तक गायब हो जाएंगे, तो हम फिर वहीं पहुंच जाएंगे, जहां से चले थे। पेट्रोलियम पदार्थों की बढ़ती कीमतें भी ईवी को काफी हद तक बढ़ावा देने में मदद करती हैं। हालांकि बैटरी चार्जिंग मॉडल और ब्रांड पर भी निर्भर करता है, लेकिन किसी सार्वजनिक चार्जिंग पॉइंट पर कोई भी अपनी कार बैटरी को 400 रुपये से कम में पूरी तरह चार्ज कर सकता है, जबकि एक बार पेट्रोल की टंकी भरवाने की लागत बहुत ज्यादा होती है। मुख्य बाधा बैटरी चार्जिंग में लगने वाले समय की है।

राष्ट्रहित में कायस्थ समाज भाजपा को करें वोट - राकेश श्रीवास्तव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। कायस्थ समाज की एक महत्वपूर्ण बैठक जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव के आवास मियांपुर में हुई। इस बैठक में सर्वसम्मति से बीजेपी प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने पर मुहर लगी। इस बैठक में खुद भजपा उम्मीदवार कृपाशंकर सिंह मौजूद थे। शुक्रवार को दोपहर करीब 3 बजे कायस्थ समाज से जुड़े विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी एकत्रीत हुए , सभी ने एक स्वर में राष्ट्रहित देश हित सर्वोपरि को ध्यान में रखते हुए भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह को वोट करने पर सहमति बनी। जिला अध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने कहा कि वोट देना हमारा अधिकार है लेकिन सबसे पहले राष्ट्र हमारे लिए सर्वोपरि है ऐसे में राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए सभी कायस्थ वर्ग से निवेदन कि सभी लोग राष्ट्रहित को ध्यान रखते हुए प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी जी के हाथों को मजबूत करने के लिए कमल के फूल पर वोट देकर देश को सशक्त बनाने में उनका सहयोग करें। इस मौके पर भाजपा उम्मीदवार कृपा शंकर सिंह ने कहा कि आप सभी सुबह सबसे पहले मतदान करें अपने स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुबह मतदान करें उसके बाद जलपान करें साथ ही अपने आसपास के लोगों और परिवार के लोगों भी मतदान करने के लिए प्रेरित करें एक मत से देश की दिशा और दशा तय होती है। इस मौके पर कायस्थ समाज के संरक्षक आनंद मोहन श्रीवास्तव, दयाशंकर निगम, दयाल शरण श्रीवास्तव , राजेश श्रीवास्तव ष्बच्चाष् संजय अस्थाना, चंद्र मोहन श्रीवास्तव ,शशि श्रीवास्तव गुड्डू ,श्याम रतन श्रीवास्तव, राजेश वेस्टिज, दिनेश श्रीवास्तव विकास भवन , मनीष श्रीवास्तव ,दीपक श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अमित निगम, पंकज श्रीवास्तव हैप्पी ,संदीप श्रीवास्तव ,राजेश किशोर श्रीवास्तव ,शिवम श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव सिपाह, शरद श्रीवास्तव सहित भारी संख्या में कायस्थ समाज के लोग उपस्थित रहे।

मतदान दिवस 25 मई को मतदान हेतु रहेगा सार्वजनिक अवकाश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला मजिस्ट्रेट /जिला निर्वाचन अधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने अवगत कराया है कि अपर मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन अनुभाग, लखनऊ के क्रम में निगोशिएबुल इन्स्ट्रूमेन्ट एक्ट,1881 की धारा–25 के तहत प्राप्त अधिकारों का प्रयोग का करते हुए उत्तर प्रदेश की राज्यपाल महोदया द्वारा आगामी लोकसभा सामान्य निर्वाचन तथा विधानसभा उप निर्वाचन–2024 से सम्बन्धित जनपद में निर्वाचन के प्रयोजन के लिये सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है। अतएव शासन के उपरोक्त आदेश के अनुपालन में 25 मई 2024 (शनिवार) को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाता है। उक्त आदेश कोषागार तथा उप कोषागार पर भी लागू होंगे।

26 मई को सायंकाल हबीबुल्लाह स्टेट हजरतगंज में होगा हरित रविवार का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। हरित रविवार आयोजन 26 मई 2024 को है, हजरतगंज में हबीबुल्ला एस्टेट, समय 4 से 9 बजे तक। मिलकर मनाएं विश्व पर्यावरण दिवस और प्रतिस्थापनीय जीवन का समर्थन करें।

विश्व पर्यावरण दिवस के उत्सव में दिखाया जाएगा कि हम कैसे कम कर सकते हैं पुनः प्रयोग करना और पुनः साइकिल करना।

गतिविधियाँ– बीज गोली बनाना, कम्पोस्टिंग, पुनः प्रयोग करना। भोजन महोत्सव : शाकाहारी और मांसाहारी आनंद, जिसमें चिकन बिरयानी, अंगारा कबाब और हलीम शामिल हैं। स्वस्थ इम्यूनिटी बूस्टर्स हरा पोशाक, स्वस्थ फैलाव, हम्मूस, माइक्रोग्रीन्स, ताजा जूस, दही वड़ा, इम्यूनिटी चाय और मिठाई केमामी सेवाइन शामिल हैं और अधिक। प्रेरणादायक महिला उद्यमियों से मिलें! आपने उनकी कहानियाँ सुनी हैं, अब आइए उनसे व्यक्तिगत रूप से मिलें। हम उनको दिखाते हैं जो कार्बनिक, प्राकृतिक, हाथ से बना, खेती, और ताजा उत्पाद काम करते हैं, पर्यावरण जागरूक उत्पादों या सेवाओं को हमारे पर्यावरण सचेत समुदाय में। लखनऊ किसान बाजार एक पहली प्रकार का, ऑनलाइन प्रतिस्थापनीय मंच है जो किसानों, कारीगरों और उच्चमियों का समर्थन करता है सभी स्तरों पर, प्रतिस्थापनीय जीवन का लक्ष्य है और एक हरित वातावरण। एलएफएम 2013 में उत्पन्न हुआ था ताकि किसानों, उत्पादकों, कारीगरों और आधार स्तर के छोटे / नए उद्यमियों को विस्तार करने के लिए एक मंच प्रदान कर सकें।

मेरा भाई भगवान का दिया अनमोल उपहार है - खुशी जैन

– नेशनल ब्रदर्स डे भाईयों के प्रति प्यार, सम्मान और उनकी प्रशंसा व्यक्त करने का सुअवसर प्रदान करता है – खुशी जैन

– मेरा भाई हर दुख की घड़ी में चट्टान की तरह मेरे साथ खड़ा होता है और हर मुश्किल घड़ी से मुझे बाहर निकाल लेता है – खुशी जैन

विवेक जैन

गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश। आज देशभर में नेशनल ब्रदर्स डे को बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाईयों और बहनों ने अपने भाईयों को उपहार भेंट कर उनके प्रति अपने प्यार का इजहार किया। शालीमार गार्डन की रहने वाली खुशी जैन ने कहा कि मेरा भाई मेरा अभिमान है। कहा कि वह खुशनसीब है जो उन्हें अथर्व जैसा भाई मिला। कहा कि उनका भाई भगवान का दिया अनमोल उपहार है। बताया कि उनकी भाई के साथ अनगिनत अच्छी यादें है, उनका भाई उनकी ताकत का आधार स्तंभ है, वह उनका विश्वास है और सबसे अच्छा दोस्त भी है।

खुशी जैन ने बताया कि उनके जीवन में अनंत खुशियां प्रदान करने में उनके भाई अथर्व का महत्वपूर्ण योगदान है। वह मेरे हर दुख में मेरे साथ चट्टान की तरह खड़ा रहता है। वह हर मुश्किल घड़ी से मुझको बाहर निकाल लेता है। खुशी जैन ने कहा कि नेशनल ब्रदर्स डे भाईयों के प्रति प्यार और उनकी प्रशंसा व्यक्त करने का अवसर प्रदान करता है। नेशनल ब्रदर्स डे यह बताने का अवसर प्रदान करता है कि भाई हमारे जीवन में कितना अहम स्थान रखता है। कहा कि एक सिर्फ भाई ही है जिस पर हम सबसे अधिक भरोसा कर सकते है। भाई ही आपको सबसे अधिक प्यार करता है और जरूरत पड़ने पर वह हर विपरीत परिस्थिति होने के बाद भी आपकी पूरी मद्द करता है। भाई हमारे जीवन को बेहतर बनाने के लिए आजीवन प्रयास करता है। भाई का बंधन एक ऐसा बंधन होता है जो समय के साथ और मजबूत होता जाता है। खुशी जैन ने सभी को नेशनल ब्रदर्स डे की शुभकामनाएं देते हुए सभी के भाईयों की खुशियों के लिए भगवान से प्रार्थना की।

आन लाइन गैंबलिंग के जरिए ठगी करने वाले 21 युवक गिरफ्तार

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। थाना साइबर क्राइम अयोध्या टीम ने प्रदेश के गाजियाबाद में अलग अलग काल सेन्टर से वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से टिप देकर संचालित किए जा रहे आन लाइन जुआ के माध्यम से लोगों के करोड़ों रुपए का चूना लगाने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर सराहनीय कार्य किया। थाना साइबर क्राइम ब्रांच की टीम ने इस गिरोह में शामिल 21 आरोपियों को गिरफ्तार किया। इस संबंध में साइबर क्राइम ब्रांच अयोध्या निरीक्षक आलोक कुमार सिंह ने बताया कि उनके यहां थाना पर कई धाराओं व आई टी एक्ट में दर्ज किया। इस मामले की खुलासे के लिए उनके नेतृत्व में दस सदस्यीय टीम का गठन किया गया था। जो काफी सतर्कता बरतते हुए गाजियाबाद जिले के भारत सीटी सोसायटी थाना टीला मोड़ लोनी से दो अलग–अलग जगहों से इन सभी इक्कीस आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में आंनद शुक्ला पुत्र सभाजीत, खेमराज जोशी पुत्र दुर्गा दत्त,केशव राज जोशी पुत्र राम चन्द्र, तेजराज फुलारा पुत्र लक्ष्मी कांत,रवि पुत्र राकेश कुमार, माधवेन्द्र शुक्ला पुत्र मनोज,तेगराज भट्ट पुत्र जय राज, उमेश राज ओझा पुत्र श्याम राज,केशव राज कपाडी पुत्र स्वर्गीय सहदेव कपाडी, मनोज राज जोशी पुत्र लक्ष्मी दत्त, दिल्ली राज भट्टी पुत्र ईश्वर,बिरखा बोगाटी पुत्र लाल सिंह, प्रशांत पेशवानी पुत्र बंटी, उमेश अवस्थी पुत्र प्रेम, नवीन पुत्र टेकराज,नीरज बोहरा पुत्र बीर बहादुर, मनीष कुमार ज्ञान चन्द्र,टेक बोगाटी पुत्र जबार,मान बहादुर धामी पुत्र नर बहादुर, लक्ष्मण ओझा पुत्र नरेश व भुवन फुलारा पुत्र गोरे शामिल रहे।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी वाट्सएप के माध्यम से टिप देकर संचालित कर रहे आन लाइन बैट डेली एंड यूलो 247 डेली बैटिंग एप्प बनाकर भोले भाली जनता को आन लाइन लिंक भेज कर एप्लिकेशन इंस्टॉल कराकर लोगो से ठगी करते हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में उनके अलावा उप निरीक्षक ओपी यादव, मुख्य आरक्षी प्रेम प्रकाश व अमित कुमार के साथ अन्य आरक्षी शामिल रहे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर से आज से पोलिंग पार्टियां की होगी रवानगी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। छठवें चरण में 25 मई को जनपद की दो लोकसभा सीटों जौनपुर व मछलीशहर (सुरक्षित) पर मतदान होना है। ऐसे में मतदान के 48 घंटे पूर्व चुनाव प्रचार का शोर गुरुवार की शाम पांच बजते ही थम गया। इसके बाद प्रत्याशी डोर–टू–डोर जनसंपर्क में जुट गए तो जिला प्रशासन मतदान के लिए बूथों को दुरुस्त करने के साथ पोलिंग पार्टियों की रवानगी की तैयारी में लग गया है। पोटिंग पार्टियों की रवानगी आज शुक्रवार को पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर से सुबह 11 बजे से शुरू हो जाएगी। मतदान के लिए दोनों लोकसभा क्षेत्रों के 39 लाख, 17 हजार, 842 मतदाताओं के लिए 3510 मतदान केंद्र व 3899 मतदेय स्थल बनाए गए हैं। इसमें नौ पिंक बूथ व 116 माडल बूथ बनाए गए हैं। वही क्रिटीकल बूथ 610 जहाँ पर पैरामिलिट्री तैनात रहेगी। मतदान कराने के लिए 15 हजार 818 मतदान कर्मी व सुरक्षा के लिहाज से 17 हजार 937 पुलिसकर्मियों की तैनाती रहेगी। वही पुलिस लाइन में पुलिस प्रेक्षक देवव्रत दास द्वारा पुलिस लाइन में जिला निर्वाचन अधिकारी रविंद्र कुमार मांदड, मुख्य विकास अधिकारी साई तेजा सीलम की उपस्थिति में मतदान के दौरान सुरक्षा व्यवस्था की ड्यूटी के लिए पार्टी रवानगी से पूर्व पुलिस कर्मियों की ब्रीफिंग की गई तथा उन्हें सुरक्षा व्यवस्था के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।ब्रीफिंग के दौरान समस्त पुलिस कर्मियों को एकत्र करके चुनाव आयोग द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों से अवगत कराया गया जिससे की चुनाव को निष्पक्ष एवं निर्विद्धन रूप से संपन्न कराया जा सके। इस संबंध में जानकारी देते हुए सूचना अधिकारी मनोकामना राय ने बताया कि 73–जौनपुर और 74–मछलीशहर लोकसभा सामान्य निर्वाचन क्षेत्र हेतु वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि स्थित मतदान पार्टियों की रवानगी स्थल से संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण है रवानगी कार्य सुव्यवस्थाएं पूर्ण रूप से संचालित है।

चुनाव ड्यूटी में मां व मतदान कर्मी की दोहरी भूमिका में नजर आ रही थी महिलाएं

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को अम्बेडकर नगर अंतर्गत गोसाईगंज विधानसभा में लोकसभा चुनाव को लेकर शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच जीआईसी मैदान से अपने अपने पोलिंग बूथ को पार्टियां रवाना हुई। इस मौके पर चुनाव ड्यूटी पर तैनात सभी मतदान कर्मियों के हाथ में ईवीएम मशीन व आवश्यक कागजात दिखाई दे रहे थे।इस मौके पर सबसे अधिक जिम्मेदारी कई महिलाएं निभाते हुई दिखाई दे रही थी।वहां पर लोकसभा चुनाव ड्यूटी पर तैनात महिलाएं जहां एक ओर माता की फर्ज निभाते हुए नजर आ रही थी वही दूसरी ओर ईवीएम मशीन लेकर मतदान की ड्यूटी निभाने का कार्य कर रही थी। इन महिलाओं ने बताया कि जब से वह नौकरी पेशा में है तो इन दोनों की भूमिका को निभा रही हैं।उन्होंने बताया कि जहां एक ओर वे एक माता के रुप में बाखूबी भूमिका में नजर आ रही थी

वही दूसरी तरफ वो चुनाव ड्यूटी को वह अच्छी तरह से निभाने का कार्य करेगी।इसी तरह ऐसी अनेक महिलाएं मिली जिनकी चुनाव में ड्यूटी लगी हुई थी।जो चिलचिलाती धूप में अपने कर्तव्य को मानते हुए हाथ में ईवीएम मशीन व दूसरे हाथ में बच्चे व बैग रखी हुई थी।जो चिलचिलाती धूप में अपने बूथ पर जाने वाली बस का इंतजार कर रही थी।

किसानों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर कराया जायेगा - एमपी सिंह

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई' शुक्रवार को विवेकानंद सभागार में किसान प्रतिनिधियों की आहूत बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी एमपी सिंह ने कहा कि जनपद के किसानों की सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता पर कराया जायेगा और भारत एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ भी दिलाया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि सभी किसान बंधु किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने के साथ फसल बीमा अवश्य करायें ताकि फसलों को होने वाले नुकसान की कुछ भरपाई हो सके। सोलर पम्प के लिए आवेदन करें ताकि बिजली के खर्च को कम किया जा सके। गांवों के तालाबों को पानी से भरने को लेकर उन्होंने सिंचाई विभाग को निर्देशित किया कि नहरों के किनारे स्थित तालाबों में पानी भरने की व्यवस्था कराये और नलकूप विभाग को नलकूपों के निकट स्थित तालाबों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित कराएं इसके साथ ही उपायुक्त मनरेगा द्वारा यथा संभव अमृत सरोवरों में पानी भरवाया जायेगा। उन्होंने बताया कि सीमेन पर भारी छूट उपलब्ध है। इस सीमेन से 95 प्रतिशत बछिया पैदा होने की सम्भावना है। जनपद में विभिन्न स्थानों पर वृहद गौशालाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने किसान संगठनों से भूसा दान करने की अपील की। किसान प्रतिनिधियों ने गोवंश संरक्षण में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने जिला गन्ना अधिकारी से किसानों के साथ गोष्टियां आयोजित कर गन्ना उत्पादन बढ़ाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि नियमों के सम्बन्ध ा में लोगों को जागरूक करें। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी, उपनिदेशक कृषि डॉ नन्द किशोर, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, अधिशासी अभियंता शारदा नहर, विद्युत तथा डीसी मनरेगा सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी व किसान प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जीआईसी की ओर वाहनों के प्रतिबंध होने के चलते परेशान रहे राहगीर

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को अम्बेडकर नगर अंतर्गत गोसाईगंज विधानसभा में लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिये शुक्रवार को जीआईसी मैदान से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में पोलिंग पार्टियां अपने अपने मतदान केन्द्रों पर रवाना हुई। जिसके चलते जीआईसी की ओर ओर आने वाले छोटे बड़े वाहनों को प्रतिबंधित कर दिया गया था।यह प्रतिबंध शुक्रवार को पोलिंग पार्टियां के रवाना होने तक रही।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले दो पहिया व चार पहिया वाहनों को पुष्पराज चौराहे, जेल के पीछे व कसाबबाड़ा मार्ग पर सुरक्षा कर्मियों ने बेरीकेडिंग लगातार रोक दे रहे थे और पुनः पीछे वापस भेज रहे थे। जिसके चलते इन जगहों पर थोड़ी थोड़ी देर पर जाम की स्थिति उत्पन्न हो जा रही थी।जिसके चलते इधर से गुजरने वाले राहगीरों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था।इस जगह पर सबसे अधिक परेशानी तेज धूप में छोटे छोटे बच्चों व महिलाओं व बुजुर्गों के साथ साथ मरीजों को हो रही थी।जो धूप में लथपथ दिखाई दे रहे थे।यहां तक कि वहां पर तैनात सुरक्षा कर्मियों व वाहन चालकों तथा लोगों के साथ तू तू मैं मैं भी होती दिखाई दे रही थी।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मत गणना की तैयारियों का लिया जायजा

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'शाहजहांपुर' जिला निर्वाचन अधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार को रोजा मंडी स्थित स्ट्रांग रूम एवं मतगणना कक्षों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होने मतगणना हेतु विधानसभावार बनाये गये कक्षों को देखा तथा आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने प्रत्येक मतगणना कक्ष में जाकर अब तक किये गये कार्यों की जानकारी ली तथा शेष कार्य को जल्द पूरा करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने प्रवेश एवं निकास रजिस्टर भी चेक किया।

निरीक्षण के दौरान डीईओ ने सीसीटीवी कन्ट्रोल रूम सहित ईवीएम तथा वीवीपैट संबंधित सुरक्षा बिन्दुओं को चेक किया। सभी सीसीटीवी कैमरे सुचारू रूप से संचालित पाये गये। स्ट्रांग रूम में रखे ईवीएम वीवीपैट की सुरक्षा हेतु सुरक्षाकर्मी निरतंर ड्यूटी पर तैनात है। मतगणना हेतु विधानसभावार बनाये गये कक्षों में जल्द कार्य पूरा करने के निर्देश डीईओ ने दिये। उन्होंने कहा कि किये जा रहे कार्य में तेजी लाई जाये साथ ही सम्बन्धित अधिकारियों को अपनी देख रेख में सभी कार्य ससमय पूर्ण करवाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि निर्धारित समयावधि में मतगणना संबंधित सभी तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं।

इस दौरान उप जिला निर्वाचन अधिकारी संजय कुमार पाण्डेय, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद रहे।

जीआईसी मैदान में वाहनों का पास देने मे जुटा रहा आरटीओ विभाग

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शनिवार को अम्बेडकर नगर अंतर्गत गोसाईगंज विधानसभा में लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने के लिये शुक्रवार को पोलिंग बूथों पर पार्टिया रवाना हुई।इस मौके पर जहां एक ओर ईवीएम व पोलिंग पार्टियों की सुरक्षा के लिये पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई थी।चुनाव ड्यूटी में लगे कर्मचारियों को पेयजल व अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थी।वहीं पर आरटीओ विभाग भी वाहनों के पास आदि बनाने व वितरित करने में जुटा हुआ था। जीआईसी मैदान पर तैनात आरटीओ प्रशासन आर पी सिंह ने बताया कि जिला निर्वाचन अधिकारी नितीश कुमार के निर्देश पर सभी वाहन चालकों को शीघ्र से शीघ्र वाहन पास दिलाना था। जिसके चलते तेज धूप से निजात पाकर चुनाव ड्यूटी में लगे अधिकारी व कर्मचारी समय से अपने अपने पोलिंग बूथों पर पहुंच सके।वही वहां पर मौजूद मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज के निर्देश पर चुनाव ड्यूटी में तैनात अधिकारी व कर्मचारी बार बार मतदान ड्यूटी में लगे कर्मचारियों व वाहन चालकों को शीघ्र से शीघ्र वाहन अपने अपने पोलिंग बूथों पर ले जाने को कह रहे थे। जीआईसी मैदान से पोलिंग बूथ को रवाना होने वाली पहली वाहन दोपहर बारह बजे रवाना हुई।

बुद्ध ने पूरी दुनिया में मानवता का सन्देश दिया – राजेन्द्र गौतम

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। हरदोई अपना दल एस के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार गौतम ने सिकंदरपुर बघौली और बघौली चौराहा पर उन्होंने बताया बुद्ध पूर्णिमा के दिन सिर्फ भगवान बुद्ध का जन्म ही नहीं हुआ था, कहा जाता है कि उन्हें बुद्धत्व की प्राप्ति भी इसी दिन हुई. इतना ही नहीं, वैशाख पूर्णिमा के दिन ही परनिर्वाण प्राप्त किया इस दिन लोग भगवान बुद्ध की पूजा करते हैं, दीपक जलाते हैं और उनकी शिक्षाओं को सुनकर उनको जीवन में उतारने का सबक लेते हैं.बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए बुद्ध पूर्णिमा बहुत बड़ा त्व्योहार है. ये पर्व सिर्फ। भारत में ही नहीं मनाया जाता, बल्कि चीन, नेपाल, सिंगापुर, वियतनाम, थाइलैंड, जापान, कंबोडिया, मलेशिया, श्रीलंका, म्यांमार, इंडोनेशिया, पाकिस्तान जैसे दुनिया के कई देशों में बुद्ध जयंती के तौर पर मनाया जाता है. बौद्ध अनुयायी इस दिन अपने घरों में दिये जलाते हैं और फूलों से घर सजाते हैं. इस दिन बौद्ध धर्म ग्रंथों का पाठ किया जाता है. इस अवसर ओमप्रकाश प्रधान अछरामऊ के प्रधान राजेश वर्मा डॉ अनूप वर्मा डा धीरेंद्र वर्मा प्रदीप कुमार प्रशांत कुमार आदि भारी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

युवती को अगवा करने का प्रयास करने का आरोप, दो आरोपियों के विरुद्ध पुलिस ने केस किया दज

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। बीकापुर/ अयोध्या वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर घर जा रही करीब 21 वर्षीय युवती का स्कार्पियो सवार लोगों द्वारा अगवा करने का प्रयास किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। घटना बुधवार की रात करीब 12:30 बजे की बताई जाती है। कोतवाली पुलिस ने दो आरोपियों के विरुद्ध धारा 364 आईपीसी की धारा में अभियोग पंजीकृत किया है। बताया गया कि कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में बुधवार की रात वैवाहिक कार्यक्रम था। गांव की ही निवासी पीड़ित युवती वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होकर रात करीब 12:30 बजे अपने घर वापस जा रही थी। आरोप है कि रास्ते में पहले से ही मौजूद स्कॉर्पियो वाहन सवार युवकों द्वारा युवती को कार में बैठने का प्रयास किया। युवती द्वारा चीखने चिल्लाने पर कार सवार युवती को छोड़कर कार सहित मौके से फरार हो गए।

छात्रा को करता था परेशान, पहले की मारपीट, फिर रेता गला

सहारनपुर, संवाददाता। बीपीईएस की छात्रा मानवी तोमर को आरोपी सागर लगातार परेशान कर रहा था। छात्रा ने परिजनों को इसके बारे में शिकायत की थी। परिजनों ने कई बार आरोपी को समझाया कि ऐसा न करें, लेकिन आरोपी अपनी हरकतों से बाज नहीं आया। पुलिस जांच में आया है कि आरोपी की पहले छात्रा के साथ कहासुनी हुई। उसके साथ मारपीट भी की। इसके बाद आरोपी ने धारदार हथियार से गला रेतकर उसकी हत्या कर दी। मानवी हत्याकांड को जिस तरीके से दिनदहाड़े आबादी के बीच जघन्य हत्याकांड को अंजाम दिया गया उससे लग रहा है कि आरोपी पहले से ही पूरी तैयारी के साथ आया था। जब पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले तो दिखाई दिया कि हत्याकांड से कुछ देर पहले आरोपी युवक छात्रा के साथ गली में दिखाई दे रहा है। छात्रा को आभास नहीं था कि आरोपी की मंशा क्या है, अन्यथा वह शोर भी मचा सकती थी। मानवी हत्याकांड के बाद पुलिस पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि जहां पर वारदात हुई उससे मात्र 100 मीटर की दूरी पर सीओ कार्यालय है। जहां पर हर समय पुलिस रहती है। इसके अलावा वह क्षेत्र आबादी वाला है। प्लाट के दोनों तरफ भी मकान बने हुए हैं। इसके बावजूद आरोपी ने हत्याकांड को अंजाम दिया और आसानी से फरार भी हो गया।

मौसेरे भाई ने कराया केस दर्ज, हमारे सामने हुई हत्या

मृतका के मौसेरे भाई शिक्षक राहुल कुमार ने तहरीर में बताया कि वह मानवी को लेकर गंगोह आया था। उसे गंगोह बस स्टैंड से ई–रिक्शा में बैठाकर किसी काम के लिए रुक गया था। तभी पिता मोहकम सिंह मानवी का आइडी कार्ड लेकर आए और नानौता चौराहे पर मिले। उसके बाद पिता और बेटा आइडी कार्ड देने के लिए मानवी के कॉलेज की तरफ चले। तभी रास्ते में रेस्टोरेंट के पास वाले खाली प्लॉट में मानवी के साथ आरोपी सागर मारपीट कर रहा है। जब आवाज देकर उसे रोकना चाहा तो आरोपी ने हाथ में लिए धारदार हथियार से उनके सामने ही गला रेतकर मानवी की हत्या कर दी। उन्होंने आरोपी को पकड़ने का प्रयास किया, लेकिन वह भाग निकला।

कार्रवाई को लेकर धरने पर बैठे छात्र

मानवी के हत्यारे का जल्द से जल्द एनकाउंटर करने की मांग करते हुए विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के छात्र कोतवाली में धरने पर बैठ गए। कुछ देर बाद वहां संजय कम्हेड़ा, पप्पू रादौर आदि के साथ पहुंचे सांसद प्रदीप चौधरी के पुत्र अंशुमन चौधरी ने कोतवाली प्रभारी से बात की। कोतवाली प्रभारी ने विद्यार्थियों को जल्द ही प्रभारी कार्रवाई का भरोसा दिलाया। इसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

गैर इरादतन हत्या में दो सगे भाइयों को सात-सात साल कैद

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में घर के सामने चरस बेचने का विरोध करने पर युवक को पीटकर अधमरा कर देने और इलाज के दौरान उसकी मौत हो जाने के मामले में अपर जिला जज 14 ने दो सगे भाइयों को सात–सात साल कैद और 16–16 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। ग्वालटोली निवासी मोहित 29 अप्रैल 2020 को सुलभ जाने के लिए घर से निकला था। तभी रास्ते में मोहल्ले के रहने वाले दो भाइयों हिनू उर्फ मो.यूसुफ और मो.फैसल ने मोहित पर हमला बोल दिया। उसे बुरी तरह मारकर अधमरा कर दिया। शोर सुनकर मोहित के मां–बाप व आसपास के लोग पहुंचे, तो दोनों भाई जानमाल की धमकी देते हुए भाग निकले थे। मोहित के पिता शिवप्यारे ने ग्वालटोली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मोहित काफी दिनों तक हैलट में भर्ती रहा। इसके बाद उसे घर भेज दिया गया था। इलाज के दौरान 31 अगस्त 2020 को घर पर मोहित की मौत हो गई। एडीजीसी शिवभगवान गोस्वामी ने बताया कि दोनों भाइयों हिनू व फैसल के खिलाफ चार्जशीट कोर्ट भेजी गई थी। मोहित के पिता की भी मौत हो गई थी।

दोनों भाइयों को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानकर सजा सुनाई

अभियोजन की ओर से मोहित की मां रामजानकी व पड़ोसन माया समेत आठ गवाह कोर्ट में पेश किए गए। माया ने बयान में कहा था कि हिनू और फैसल चरस बेचने का धंधा करते थे। घटना से पहले मोहित ने घर के सामने चरस बेचने से मना किया था, जिस पर इन दोनों ने मोहित के साथ मारपीट की थी और जान से मारने की धमकी भी दी थी। कोर्ट ने दोनों भाइयों को गैर इरादतन हत्या का दोषी मानकर सजा सुनाई।

संक्षिप्त खबरें

आगरा में लिए गए 39 नमूने फेल

आगरा, संवाददाता। आगरा में औषधि विभाग की जांच में बीते साल 39 दवाओं के नमूने फेल मिले हैं। इसमें 27 नकली और 12 अधोमानक पाए गए हैं। इनके विक्रेताओं पर मुकदमा दर्ज है। दवा माफिया विजय गोयल जेल में है। इसकी ही नकली दवा बनाने की फैक्टरी के सबसे ज्यादा नमूने लिए थे। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय ने बताया कि एक अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024 तक 293 दवाओं के नमूने लिए गए। इसमें से 272 दवाओं की रिपोर्ट अब तक मिल चुकी है। इसमें से 27 नकली और 12 अधोमानक पाए गए। नकली में मानसिक रोग की दवाएं, एंटीबायोटिक, कफ सिरप, पेट रोग समेत अन्य दवाएं हैं। ये नमूने बीते साल जगदीशपुरा, बिचपुरी और लोहामंडी क्षेत्र में नकली दवाओं की अवैध फैक्टरी चलाने वाला विजय गोयल और टेढ़ी बगिया में पकड़े गए एजेंट सादिक से जब्त की गई दवाओं के हैं। इन मामलों में मुकदमा दर्ज हो चुका है, आरोपी जेल में हैं। इसके यहां से 6 करोड़ की दवाएं और मशीनें जब्त की थीं। बाकी के 21 दवाओं के नमूनों की जांच रिपोर्ट नहीं आई है।

कारीगर के घर से तीन किलो चांदी चोरी, जांच में जुटी पुलिस

आगरा, संवाददाता। आगरा के शमसाबाद थाना क्षेत्र के गांव बाघ विद्या में मंगलवार की रात चांदी कारीगर के घर चोरी हो गई। चोर घर से करीब 3 किलोग्राम चांदी ले गए हैं। पीड़ित ने चोरी की तहरीर थाने में दी है। जांच में जुटी पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज देखे। बाग विद्या निवासी धर्मेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह चांदी कारीगर है। मकान में ढलाई कर चांदी की चेन बनाने का काम करता है। मंगलवार की रात करीब 11 बजे काम खत्म कर सोने चला गया। रात में चोर खेतों के रास्ते आए मकान की दीवार काटकर घुस गए। घर से करीब 3 किलोग्राम चांदी उठा ले गए। यह चांदी आगरा के एक व्यापारी से चेन बनाने के लिए लेकर आया था। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया है कि चोरी की शिकायत पर पुलिस टीम मौके पर गई थी। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे गए हैंए। तहरीर के आधार पर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है। विज्ञान विधि प्रयोगशाला की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए हैं।

दहेज के लिए मार डाला, पति समेत पूरा परिवार फरार

शामली, संवाददाता। शामली में गढ़ीपुख्ता के पेलखा गांव में बुधवार की देर रात जहरीले पदार्थ के सेवन से संदिग्ध परिस्थितियों में विवाहिता की मौत हो गई। मायके वालों ने ससुरालियों पर दहेज की खातिर हत्या करने का आरोप लगाया है। बागपत के दोघट निवासी गोपाल ने बताया कि उन्होंने करीब साढ़े तीन साल पहले बहन लक्ष्मी की शादी पेलखा गांव निवासी युवक के साथ की थी। बताया कि बुधवार की देर रात सूचना मिली कि लक्ष्मी का शव ससुराल में पड़ा है। गोपाल मौके पर पहुंचा। रात दो बजे मामले की सूचना पुलिस को दी। आरोप है कि पिछले काफी समय से पति और ससुराल के अन्य लोग दहेज की खातिर बहन को परेशान कर रहे थे। मना करने पर कई बार उसकी पिटाई भी की गई। कहा कि दहेज की मांग पूरी नहीं होने पर ही ससुरालियों ने जहरीला पदार्थ देकर बहन को मार डाला और मौके से फरार हो गए। उधर, मामले की सूचना पाते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गढ़ीपुख्ता थाना प्रभारी का कहना है कि परिजनों ने अभी तहरीर नहीं दी है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

डायरिया, बुखार के साथ लू लगने के मरीज भी आए

बांदा, संवाददाता। डायरिया, बुखार के मरीजों के साथ अब लू से पीड़ित मरीज भी जिला अस्पताल आ रहे हैं। बुधवार को डायरिया से पीड़ित 16 मरीजों को भर्ती कराया गया है। उधर, लू लगने पर एक युवती को भर्ती कराया गया है। बुधवार को ट्रॉमा सेंटर मरीजों से फुल रहा।

22 बेडों के अतिरिक्त बरामदे में डलवाए गए सभी छह बेड फुल रहे। बुधवार को शहर के शंभू नगर निवासी अंजलि (18) को लू लग जाने के चलते जिला अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया। डायरिया और बुखार के मरीजों से ट्रामा सेंटर फुल रहा। वरिष्ठ ईएमओ डॉ. विनीत सचान ने बताया कि भीषण तपन और लू के मौसम में खाली पेट बिल्कुल भी धूप में न निकले। अगर धूप में निकल रहे हैं तो गमछा आदि बांधकर निकले। दिन में तीन से चार बार दस्त होने पर जिला अस्पताल में दिखाएं।

सड़क किनारे बैठे बुजुर्ग को ट्रक ने कुचला, मौत

बांदा, संवाददाता। रात में सड़क किनारे लघुशंका के लिए बैठे बुजुर्ग को बेकाबू ट्रक ने कुचल दिया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। कमासिन थाना क्षेत्र के कुमेढ़ासानी गांव निवासी ननकवा यादव (65) मंगलवार की रात करीब साढ़े 10 बजे घर के बाहर सड़क किनारे लघुशंका के लिए बैठे थे।

तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उन्हें कुचल दियाा। ननकवा की मौके पर ही मौत हो गई। भतीजे राजू ने बताया कि उनके दो पुत्र और दो पुत्रियां हैं। चार बीघा जमीन पर खेती किसानी करते थे। पत्नी चुनवा देवी है। कमासिन इंस्पेक्टर ऋषि देव सिंह ने बताया कि ट्रक को सिंहपुर चौकी पुलिस ने पकड़ लिया है।

नकली चमड़ा उत्पाद बनाने वाली फैक्टरी में छापा मालिक गिरफ्तार

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नामी कंपनियों के नकली लेदर उत्पाद बनाकर बेचने के आरोप में शहर की एक फैक्टरी के मालिक को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। कंपनी के अधिकारियों की सूचना पर अनवरगंज पुलिस ने माल बरामद कर कंपनी को सील कर दिया।

हरियाणा के पंचकुला निवासी संजीव हांडा और गोंडा के फिरोजपुर निवासी शजोहन व प्रसाद अपनी–अपनी कंपनियों के अधिकारी हैं। उन्होंने बताया कि कई दिनों से शहर में उनकी कंपनियों के नकली चमड़ा उत्पाद बनाकर बेचने की शिकायत मिल रही थी। इस पर बुधवार को अनवरगंज पुलिस की मदद से सुपर लेदर वर्क्स बेबीज कंपाउंड फैक्टरी पर छापेमारी की। इस दौरान वहां पर कंपनियों के लेबल लगे बेल्ट, पर्स, बेल्ट के सेट, कंपनी के खाली डिब्बे, लेबल टैग और से मशीन बरामद हुई है। इन सभी को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

कॉपीराइट की धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया

इस पर पुलिस ने फैक्टरी मालिक अनवरगंज के फूलवाली गली निवासी रेहान अली को गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अनवरगंज नीरज ओझा ने बताया कि अधिकारियों की तहरीर पर आरोपी के खिलाफ कॉपीराइट की धाराओं में केस दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। साथ ही माल को सील कर दिया गया है।

रेबीज से पीड़ित व्यक्ति की मौत

शामली, संवाददाता। क्षेत्र के गांव कुड़ाना में रेबीज से पीड़ित तेल्लू कश्यप की मौत हो गई। श्रमिक को दो माह पहले गांव में ही कुत्ते ने काट लिया था। उसने एंटी रेबीज के इंजेक्शन नहीं लगाए थे। श्रमिक की मौत से परिजनों में गम का माहौल है। गांव कुड़ाना निवासी तेल्लू कश्यप को करीब दो माह पहले होली के दिन गांव में जाते समय रास्ते में कुत्ते ने काट लिया था। उसने झाड़ फूंक व घरेलू उपचार कर लिया, लेकिन एंटी रेबीज का इंजेक्शन नहीं लगवाया था। बताया गया है कि करीब एक सप्ताह पहले उसे सांस लेने में परेशानी हुई। उसके गले में सूजन आ गई थी। परिजनों ने उसे स्थानीय चिकित्सक के यहां इलाज कराया, लेकिन जब हालत में सुधार नहीं हुआ तो दिल्ली अस्पताल में उपचार कराया। दो दिन पहले तेल्लू को रेबीज के लक्षण सामने आ गए और उसकी हालत बिगड़ गई। उसने अपने हाथ को भी दांतों से चबा दिया और गले से कुत्ते जैसी आवाज निकलने लगी। मंगलवार देर शाम तेल्लू की मौत हो गई।

पौत्र को लगवा दिया था एंटी रेबीज का इंजेक्शन

परिजनों ने बताया कि जिस दिन तेल्लू को कुत्ते ने काटा था। उसी दिन उसके आठ साल के पौत्र वंश को भी कुत्ते ने काट लिया था। वंश को तो परिजनों ने अस्पताल में एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवा दिए थे लेकिन तेल्लू ने इंजेक्शन लगवाने से मना कर दिया था। इसी लापरवाही की वजह से उसकी दो माह बाद ही रेबीज से मौत हो गई।

गर्मी में बढ़ी कुत्ता काटने से घायल मरीजों की संख्या

गर्मी में कुत्ते काटने से घायल मरीजों की संख्या अस्पतालों में बढ़ गई है। जिला अस्पताल में रोजाना करीब 30 लोग एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। सीएचसी शामली में रोजाना 35 से 40 लोगों को एंटी रेबीज इंजेक्शन लग रहे हैं।

इसी तरह अन्य सरकारी अस्पतालों में भी एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने के लिए मरीज रोजाना पहुंचते है। इस तरह से जिले में रोजाना करीब 350 लोग एंटी रेबीज इंजेक्शन लगवाने पहुंच रहे हैं। सीएमओ डॉ. अनिल कुमार ने बताया कि जिले में सरकारी अस्पतालों में एंटी रेबीज के इंजेक्शन निशुल्क लगाए जाते हैं। एंटी रेबीज इंजेक्शन अस्पतालों में पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

जिला अस्पताल में रविवार को छोड़कर रोजाना एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए जाते हैं। जबकि सीएचसी शामली में रविवार समेत पूरे सप्ताह एंटी रेबीज के इंजेक्शन लगाए जाते हैं। कुड़ाना व थानाभवन सीएचसी पर मंगलवार व शुक्रवार को एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाने के दिन निर्धारित हैं। कांधला सीएचसी पर सोमवार व बृहस्पतिवार दो दिन निर्धारित किए गए हैं,

लेकिन उसके बाद भी अगर मरीज अस्पताल पहुंच रहे हैं तो उनको एंटी रेबीज का इंजेक्शन लगवाया जा रहा है। अन्य सीएचसी पर भी दिन निर्धारित किए गए हैं। कुत्ता काटने या अन्य किसी जानवर के काटने के बाद किसी की बातों में न आएं। खासतौर से देहात क्षेत्र में कुत्ता काटने के बाद लोग घाव पर नमक, मिर्च, नींबू या हल्दी लगा देते हैं। इससे उन्हें लगता है।

रेलवे फाटक पर 66 करोड़ से बनेगा पुल, एस्टीटेम दिल्ली भेजा

शामली, संवाददाता। मेरठ–करनाल हाईवे पर 89 नंबर रेलवे फाटक पर उपरिगामी पुल के लिए उत्तर प्रदेश सेतु निगम सहारनपुर मंडल ने दिल्ली में अधिकारियों को 66 करोड़ रुपये का एस्टीमेट बनाकर भेजा है। जल्द ही पुल निर्माण की उम्मीद है। पुल निर्माण के बाद शहर के लोगों को जाम से भी मुक्ति मिल सकेगी। मेरठ–करनाल हाईवे पर 89 नंबर रेलवे फाटक समेत देशभर के उपरिगामी पुलों और रेलवे स्टेशन पुनर्निर्माण की आधारशिला 26 मार्च को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑनलाइन रखी थी। उत्तर प्रदेश सेतु निगम शामली मिल से सर्विस लेन और अंडरपास में प्रयुक्त होने वाली भूमि खरीदने के लिए एस्टीमेट मांग रहा था। उत्तर प्रदेश सेतु निगम और शामली चीनी मिल के अफसर 89 रेलवे फाटक उपरिगामी पुल के लिए भूमि की पैमाइश कर चुके हैं। शामली मिल ने उपरिगामी पुल की सर्विस लेन में प्रयुक्त होने वाली भूमि का 66 करोड़ रुपये का एस्टीमेट उत्तर प्रदेश सेतु निगम सहारनपुर को दिया था। उत्तर प्रदेश सेतु निगम सहारनपुर मंडल के सहायक अभियंता तेज प्रकाश गुप्ता ने बताया कि शामली मिल से मिले 66 करोड़ के एस्टीमेट को दिल्ली में अधिकारियों को भेजा गया है। वहां से स्वीकृति के बाद ही आगे का कदम उठाया जाएगा। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

आए दिन जाम के कारण वाहन चालक होते हैं परेशान

मेरठ–करनाल हाईवे पर 89 नंबर रेलवे फाटक पर पुल नहीं होने के कारण आए दिन जाम लगता है। ट्रेन जाने के बाद सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। गर्मी में जाम के कारण वाहन चालकों को अधिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जाम से निजात दिलाने की मांग वाहन चालक और दुकानदार लगातार करते चले आ रहे हैं।

तोड़ी जाएगी नगर निगम की 76 साल पुरानी इमारत

सहारनपुर, संवाददाता। नगर निगम में 1948 की बनी इमारत को ध्वस्त किया जाएगा। इसकी जगह नगर निगम पांच मंजिला इतारत बनाएगा, जिसमें सभी विभागों को शिफ्ट किया जाएगा। नए भवन के लिए नगर निगम को शासन से 35 करोड़ रुपये की धनराशि मिल भी चुकी है। आचार संहिता हटने के बाद कभी भी ध्वस्तीकरण का कार्य शुरू हो सकता है। 1948 की बनी इस दो मंजिला इतारत में नीचे गृहकर एवं जलकर विभाग, नजूल अनुभाग, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र विभाग, स्टोर, स्वास्थ्य विभाग चलते हैं, जबकि ऊपर निर्माण विभाग, लेखा विभाग संचालित हैं। वर्तमान में इमारत की हालत खस्ता है। छतें टपकती हैं, जिसकी वजह से बरसात के दिनों में इसमें बैठना अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए मुश्किल रहता है। प्रत्येक वर्ष इसकी मरम्मत पर लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी इमारत की हालत में सुधार नहीं है। ऐसे में नगर निगम ने इसको ध्वस्त कर नई इमारत बनाने का निर्णय लिया है, लेकिन उससे पहले इसमें चल रहे विभागों और उनके अधिकारियों व कर्मचारियों के किसी अन्य जगह पर बैठने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे कार्य प्रभावित न हो। पुरानी इमारत को हटाने के बाद नगर निगम पांच मंजिला नई इमारत बनाएगा। इसके बाद पुरानी इमारत में चलने वाले विभागों के साथ ही निगम के अन्य विभागों को भी उसमें शिफ्ट किया जाएगा, जो अभी तक अलग–अलग इमारतों में चलते हैं। नगर निगम में खड़ी 1948 में बनी इमारत जर्जर हो चुकी है, जिसकी छत और दीवारों में दरारे हैं। उच्चाधिकारियों ने इसे ध्वस्त कर नई इमारत बनाने का निर्णय लिया है। इसके लिए शासन से 35 करोड़ रुपये मिले हैं। नगर निगम पांच मंजिला नई इमारत बनाकर सभी विभागों को उसमें शिफ्ट करेगा।

हैलट में शुरू होगी आक्सीजन थैरेपी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के हैलट अस्पताल में छह महीने में हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थैरेपी (एचबीओटी) शुरू हो जाएगी। इस थैरेपी के शुरू होने से उन रोगियों

को राहत मिलेगी, जिनके घाव जल्दी भरते नहीं हैं। हादसों के घायलों, डायबिटिक फुट के रोगियों के घावों की सड़न ठीक होगी। इसके अलावा न्यूरो के रोगियों, खास तरीके के बहरेपन के रोगियों, रेडियो थैरेपी से जली त्वचा के रोगियों को भी राहत मिलेगी। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि जैम पोर्टल की सूची में एचबीओटी का चौंबर नहीं है। इसकी अलग से व्यवस्था की जा रही है। एचबीओटी की सुविधा छह महीने के अंदर हैलट में मिलने लगेगी।

हाई प्रेशर से दी जाएगी ऑक्सीजन, घाव नहीं बन पाएंगे गैंगरीन

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि इस थैरेपी में हाई प्रेशर से रोगी को ऑक्सीजन दी जाती है। इससे शरीर के हल्के संक्रमण भी ठीक हो जाते हैं। इसके साथ घावों की सड़न रुकती है। बहुत से घाव गैंगरीन बन जाते हैं, जिससे रोगियों के अंग काटने पड़ते हैं। इस थैरेपी के इस्तेमाल से पुराने घाव गैंगरीन की स्थिति तक नहीं पहुंचने पाएंगे। इसके अलावा बहुत से रोगियों को कैंसर के इलाज के तहत रेडिएशन दी जाती है। इससे त्वचा की पर्तें जल जाती हैं। उसमें भी रोगियों को आराम मिलेगा। इससे त्वचा की कोशिकाएं फिर स्वस्थ होने लगेंगी। इसके अलावा न्यूरो की बहुत सी बीमारियां हैं, जिनमें ऑक्सीजन की कमी के कारण तंत्रिकाएं खराब होने लगती हैं। इसके बाद रोगी को दिक्कत होती है। इन रोगियों को भी एचबीओटी से लाभ मिलेगा। इसी तरह कान की तंत्रिकाओं में खराबी आने के कारण बहरेपन की शिकायत हो जाती है। इसके अलावा यह थैरेपी एंटी एजिंग में भी कारगर है। उन्होंने बताया कि एचबीओटी सेंटर सर्जरी विभाग के तहत काम करेगा। सेंटर में मोनो चौंबर मंगाया जा रहा है। इस चौंबर से थैरेपी ज्यादा कारगर होती है। जैम पोर्टल की सूची में एचबीओटी चौंबर न होने के कारण अलग से प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा गया है।

ऐसे करेगी काम

प्लास्टिक के पारदर्शी चौंबर में रोगी को 45 मिनट बैठाया जाता है। इसमें सामान्य से सात गुना प्रेशर से ऑक्सीजन दी जाती है। प्रेशर धीरे–धीरे बढ़ाया जाता है। इससे रोगी के शरीर में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है। नष्ट होने वाली कोशिकाओं को ऑक्सीजन मिलने लगता है, जिससे वे स्वस्थ होने लगती हैं। घाव के आसपास कोशिकाओं को ऑक्सीजन न मिलने की वजह से सड़न होती है। शरीर में लाल रक्त कणिकाएं ऑक्सीजन पहुंचाती हैं। जिनका हीमोग्लोबिन कम होगा, उन रोगियों को भी राहत मिलेगी। हाइपरबेरिक ऑक्सीजन थैरेपी अधिक ऑक्सीजन देकर रोग ठीक करने की विधा है।

प्रिंसिपल की डांटने पर छात्रा ने घर पर फांसी लगाकर दी जान

मेरठ, संवाददाता। मेरठ के कंकरखेड़ा में प्रिंसिपल की डांट व मारपीट के बाद 12वीं की छात्रा ने बुधवार दोपहर घर जाकर पंखे से लटकर सुसाइड कर लिया। घटना के समय छात्रा घर पर अकेली थी। कुछ देर बाद छात्रा की मां घर पहुंची तो घटना की जानकारी हुई थी। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया था। परिजनों ने बिना पुलिस कार्रवाई करें छात्रा का अंतिम संस्कार कर दिया था। गुरुवार को छात्रा के परिजन प्रिंसिपल के घर पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। अंबेडकर रोड सदनपुरी निवासी शम्मी अरोड़ा अपने परिवार के साथ रहते हैं। परिवार में पत्नी रितु अरोड़ा, बेटा कनिष्क व एक बेटी भूमि अरोड़ा थी। बेटी भूमि शिवलोकपुरी एक स्कूल में 12वीं की छात्रा थी। वहीं छात्र के पिता रेलवे में अटेंडर के पद पर कार्यरत हैं। वहीं भाई नोएडा में प्राइवेट कंपनी में जॉब करता है। पत्नी हाउसवाइफ है।

छात्रा स्कूल गई थी। जहां स्कूल प्रधानाचार्य ने छात्रा को सबके सामने डांट दिया था। वहीं परिजनों ने मारपीट का भी आरोप लगाया। इसके बाद छात्रा घर चली गई थी। छात्रा की मां सरधना रोड पर चिकित्सक के दवाई लेने के लिए गई थी। जब देर शाम के समय मां घर पहुंची तो देखा कि घर का दरवाजा बंद है। जिसके बाद मां ने दीवार से झांककर देखा तो छात्रा का शव पंखे से लटका हुआ था। बेटी के शव को पंखे से रखा देख मां के होश उड़ गए। शोर–शराबे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े। परिजन छात्रा को लेकर पास के अस्पताल में दौड़े। जहां चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। गुरुवार को परिजन प्रधानाचार्य के घर पहुंचे। परिजनों ने जमकर हंगामा किया। हंगामा की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।